राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 15 फरवरी 2026 वर्ष-9, अंक-23 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाशिवरात्रि पर्व आज, मंदिरों में उमड़ेगा श्रद्धालुओं का सैलाब

उज्जैन (एजेंसी)। महाशिवरात्रि हिंदू धर्म का अत्यंत पवित्र पर्व है, जिसे भगवान शिव की आराधना और रात्रि जागरण के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। वर्ष 2026 में महाशिवरात्रि के दिन लगभग 12 घंटे तक भद्रा का प्रभाव रहने की संभावना है, जिसके कारण श्रद्धालुओं के मन में यह प्रश्न उठ रहा है कि शिव पूजा किस समय करना शुभ रहेगा।

महाशिवरात्रि पर पूजा के 6 मुहूर्त

सुबह के मुहूर्त

चर	सुबह 8.24	सुबह 9.48
लाभ	सुबह 9.48	सुबह 11.11
अमृत	सुबह 11.11	दोपहर 12.35

शाम का मुहूर्त

शुभ	शाम 6.11	रात 7.47
अमृत	शाम 7.47	रात 9.23
चर	रात 9.23	रात 10.59

मुंबई में बड़ा हादसा

मुलुंड में मेट्रो पिलर का हिस्सा गिरा, ऑटो और कार के उड़े परखच्चे

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के मुलुंड (पश्चिम) इलाके में शनिवार दोपहर को एक बड़ा हादसा हुआ। इस हादसे में एक निर्माणाधीन मेट्रो पिलर का बड़ा हिस्सा गिरने से ऑटो और कार चकनाचूर हो गए। हादसे में 4 लोगों घायल हुए हैं। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, हादसा दोपहर करीब 12.20 बजे हुआ जब यातायात सामान्य रूप से चल रहा था। अचानक पिलर का एक हिस्सा ढह गया, जिसकी चपेट में आकर ऑटो रिक्शा पूरी तरह पिचक गया। घायलों को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनका उपचार जारी है। हादसे की जानकारी मिलते ही मुंबई फायर ब्रिगेड, स्थानीय पुलिस और मेट्रो प्राधिकरण की टीमें मौके पर पहुंचीं। मलबे को हटाने के लिए क्रेन की मदद ली गई।

● ब्रह्मपुत्र पर 6-लेन पुल की सौगात देकर असम में बोले पीएम मोदी

नॉर्थ ईस्ट हमारे लिए अष्टलक्ष्मी

कांग्रेस के समय असम को पाई पाई के लिए तरसाया जाता था

गुवाहाटी (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शनिवार को गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी पर बने भास्कर वर्मा सेतु का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को असम दौरे पर हैं। इस दौरान पीएम मोदी गुवाहाटी में जनसभा कर रहे हैं। इस दौरान पीएम ने कहा- कांग्रेस के समय असम को पाई पाई के लिए तरसाया जाता था। असम को टैक्स के हिस्से के रूप में सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए मिलते थे। भाजपा की सरकार में 5 गुना ज्यादा मिल रहे हैं। उन्होंने कहा- केंद्र सरकार से असम को तमाम विकास परियोजनाओं के लिए 5.50 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा मिले हैं। जो कांग्रेस असम के विकास के लिए पैसे देने से बचती हो वो कांग्रेस क्या असम का विकास कभी नहीं कर सकती है।

इससे पहले पीएम पहले चाबुआ एयरफील्ड पहुंचे। इसके बाद वे वायुसेना के सी-130 एयरक्राफ्ट से डिब्रूगढ़ पहुंचे। प्लेन ने यहां मोरन बाईपास पर इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी पर लैंडिंग की। पीएम ने इसके बाद ब्रह्मपुत्र नदी पर बने भास्कर वर्मा सेतु और आईआईएम गुवाहाटी के टेंपरेरी कैंपस का उद्घाटन किया।

16 लड़ाकू विमानों ने एरियल शो किया- मोरन हाईवे पर पीएम की मौजूदगी में राफेल, सुखोई समेत 16 लड़ाकू विमान एरियल शो किया। इस दौरान विमान हाईवे से ही लैंडिंग और टेकऑफ करके दिखाया। डेमो 30 मिनट तक चला।पीएम मोदी का यह पिछले तीन महीने में तीसरा असम दौरा है।

असम में बनी पूर्वोत्तर की पहली इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी- मोरन एयरस्ट्रिप एनएच-127 के 4.4 किलोमीटर लंबे हिस्से पर बनाई गई है। यह भारत की पहली इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी है, जो सेना और सिविल विमानों दोनों के लिए इस्तेमाल की जा सकती है। ईएलएफ का मतलब है कि युद्ध और इमरजेंसी जैसे हालात में हवाई जहाजों को हाईवे पर ही उतारा जाए और यहीं से उड़ान भरने की व्यवस्था हो।

केंद्र सरकार से असम को तमाम विकास परियोजनाओं के लिए 5.50 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा मिले

पीएम ने कहा- कांग्रेस के समय असम को पाई पाई के लिए तरसाया जाता था। असम को टैक्स के हिस्से के रूप में सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए मिलते थे। भाजपा की सरकार में 5 गुना ज्यादा मिल रहे हैं। केंद्र सरकार से असम को तमाम विकास परियोजनाओं के लिए 5.50 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा मिले हैं। उन्होंने कहा- जो कांग्रेस असम के विकास के लिए पैसे देने से बचती हो वो कांग्रेस क्या असम का विकास कर सकती है। कभी भी नहीं कर सकती है। आपका भला कर सकती है युवाओं का भला, किसानों का गांव का भला कर सकती है।

नॉर्थ ईस्ट को आत्मनिर्भर बनाना है- पीएम मोदी ने कहा- बजट के बाद असम का नार्थ ईस्ट का मेरा ये पहला दौरा है, जिस नॉर्थ ईस्ट को कांग्रेस ने हमेशा नजर अंदाज किया उसकी हम सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा- नॉर्थ ईस्ट हमारे लिए अष्टलक्ष्मी है। बजट में ज्यादा फोकस नार्थ ईस्ट को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर है,

भाजपा संगठन की ताकत में विश्वास करती है- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी जिस मुकाम पर पहुंची है, उसका पूरा श्रेय पार्टी के कार्यकर्ताओं को जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन की ताकत में विश्वास करती है। उनका मानना है कि देश के जीवन में बदलाव लाने की असली ताकत संगठन से ही आती है।

रोहतक की एमडीयू में पहुंचे सीजेआई सूर्यकांत

● बोले- मेरा प्रोफेशनल करियर यहीं से शुरू हुआ, युवा अपनी क्षमता पर भरोसा करें

रोहतक (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत शनिवार को रोहतक पहुंचे। उनका हेलिकॉप्टर बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी में उतरा। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के जजों और डीसी ने यहां पर उनका स्वागत किया। बाद में वे कारों के काफिले में एमडीयू में पहुंचे और यहां एक गेट का उद्घाटन किया। इस दौरान सीजेआई ने युवाओं को संदेश दिया कि मेहनत और ईमानदारी से किसी भी शिखर को छुआ जा सकता है।

बता दें कि सूर्यकांत हरियाण के हिसार के गांव के रहने वाले हैं और उन्होंने एमडीयू से एलएलबी की है। वे आज यहां आकर उत्साहित दिखे। सीजेआई सूर्यकांत ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कियह मेरी यूनिवर्सिटी है, जहां से मैंने लॉ (विधि) में एडमिशन लिया और लॉ पास करके मेरा जो लाइफ का प्रोफेशनल करियर था, उसकी शुरुआत इसी यूनिवर्सिटी से हुई।मुझे इस बात की बहुत ही प्रसन्नता है कि मैं आज इस यूनिवर्सिटी में भारत का मुख्य न्यायाधीश बनने के बाद आ पाया हूं और कुछ पुरानी यादें यहां ताज़ा कर पाया हूं।

इमाम बोले-जहां वंदे मातरम् अनिवार्य, वहां से बच्चों को निकालें

उज्जैन (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 28 जनवरी को राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' को लेकर नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इनके मुताबिक, अब सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों या अन्य औपचारिक आयोजनों में 'वंदे मातरम्' बजाया जाएगा। इस दौरान हर व्यक्ति का खड़ा होना अनिवार्य होगा।मप्र उज्जैन के इमाम मुफ्ती सैय्यद नासिर अली नदवी ने इस आदेश को इस्लाम विरोधी बताया है। उन्होंने कहा- यह आदेश हमारी धार्मिक आजादी पर हमला है। वंदे मातरम् में कहा गया है कि हिंदुस्तान की भूमि की हम पूजा करते हैं, लेकिन मुसलमान के लिए यह बिल्कुल भी सही नहीं है कि वह अल्लाह के साथ किसी और को शरीक कर अपनी पूजा में शामिल करे। वहां से अपने बच्चे निकाल लें।

केंद्र सरकार की बड़ी सौगात

दिल्ली-हरियाणा समेत 4 राज्यों में बिछेगा 389 किमी का नया रेल नेटवर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी (सीसीईए) ने रेल मंत्रालय के तीन प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है, जिनकी लागत लगभग 18,509 करोड़ रुपये है। इन प्रोजेक्ट्स में कसारा-मनमाड, दिल्ली-अंबाला और बल्लारी-होसपेटे के बीच तीसरी और चौथी लाइन बनाना शामिल है। केंद्र सरकार ने दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक के 12 जिलों को कवर करने वाली तीन मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनकी कुल लागत 18,509 करोड़ रुपये है। इससे भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 389 किलोमीटर की वृद्धि होगी।

पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान- परियोजनाओं की योजना पीएम-गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान पर बनाई गई है, जिसमें एकीकृत योजना और हितधारक परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

सीसीईए के बयान के अनुसार, ये परियोजनाएं लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध संपर्क भी प्रदान करेंगी। प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना लगभग 3,902 गांवों में कनेक्टिविटी बढ़ाएगी, जिनकी कुल आबादी लगभग 97 लाख है। बढ़ी हुई लाइन कैपेसिटी से मोबिलिटी में काफी बढ़ोतरी होगी, जिससे

भारतीय रेलवे की ऑपरेशनल एफिशिएंसी और सर्विस रिलायबिलिटी में सुधार होगा। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव ऑपरेशन को आसान बनाने और भीड़भाड़ कम करने के लिए तैयार हैं।

सेल्फ एम्प्लॉयमेंट के अवसर- सीसीईए ने एक बयान में कहा, ये प्रोजेक्ट्स पीएम मोदी के न्यू इंडिया के विजन के मुताबिक हैं, यह इलाके के लोगों को आत्मनिर्भर बनाएगा। इससे इलाके में बड़े पैमाने पर डेवलपमेंट होगा, जिससे उनके रोजगार/सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट के मौके बढ़ेंगे।

खास टूरिस्ट डेस्टिनेशन्स पर भी फोकस

ये प्रोजेक्ट्स लोगों, सामान और सर्विस के आने-जाने के लिए आसान कनेक्टिविटी देंगे। प्रस्तावित कैपेसिटी बढ़ाने से देश भर के कई खास टूरिस्ट डेस्टिनेशन्स तक रेल कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जिनमें भावली डैम, श्री घाटनदेवी, त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, कटरा, श्रीनगर में श्री माता वैष्णो देवी, और हम्पी (एक यूनोस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट), बल्लारी फोर्ट, दारोजी स्लॉथ बेयर सैंक्चुरी, तुंगभद्रा डैम, केंचनगुड्डा, और विजया विट्ठल मंदिर जैसे खास अट्रैक्शन्स शामिल हैं।

माल धुलाई का ट्रैफिक होगा कम- सरकार के मुताबिक, प्रस्तावित प्रोजेक्ट्स कोयला, स्टील, आयरन ओर, सीमेंट, लाइमस्टोन/बॉक्साइट, कंटेनर, अनाज, चीनी, फर्टिलाइजर और पीओएल वगैरह जैसी चीजों के ट्रांसपोर्टेशन के लिए जरूरी रास्ते हैं। इसके अलावा, कैपेसिटी बढ़ाने के काम से 96 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति साल) का एक्स्ट्रा माल ढुलाई ट्रैफिक होगा।

हिमाचल में बड़ा सड़क हादसा

कार खाई में गिरी, दो महिलाओं समेत चार की मौत, एक घायल

देहरादून (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले के भावानगर उपमंडल में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और एक घायल है। घायल का छोल्टू अस्पताल में उपचार चल रहा है। हादसे के कारणों का पता नहीं चल पाया है। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह करीब 7-00 बजे जानी संपर्क मार्ग पर हादसा हुआ। टापरी से जानी जा रही कार अचानक जानी संपर्क मार्ग पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के समय गाड़ी में पांच लोग सवार थे, जिनमें से चार की मौके पर ही मौत हो गई। एक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

वेलेंटाइन-डे पर प्रेमी ने प्रेमिका की गोली मारकर हत्या की, फिर खुद जान दी

नोएडा में कार के अंदर मिलीं लाशें

नोएडा (एजेंसी)। नोएडा में वेलेंटाइन-डे के दिन प्रेमी ने प्रेमिका की कार में गोली मारकर हत्या कर दी, फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। देखा तो कार अंदर से लॉक थी, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने टाटा अल्ट्रोज कार का शीशा तोड़कर देखा तो आगे की सीट पर दोनों के शव पड़े थे। दोनों के सिर में गोली लगी थी। युवक के हाथ में पिस्टल थी। बगल में दो खोखे पड़े थे। प्रेमी-प्रेमिका शुक्रवार से घर से लापता थे। 26 साल की प्रेमिका रेखा नोएडा के सलारपुर की रहने वाली थी, जबकि 32 साल का प्रेमी सुमित दिल्ली के त्रिलोकपुरी का रहने वाला था। वह मंडल स्तर का क्रिकेटर था। बताया जा रहा है कि दोनों का 15 साल से अफेयर चल रहा था। शादी करने वाले थे, लेकिन किसी बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया।

इसके बाद शुक्रवार को सुमित ने रेखा को मैसेज भेजा- मैं मरने जा रहा हूं। इसकी जिम्मेदार रेखा है। वह मेरे साथ 15 साल रही। वादा किया था कि मुझसे शादी करेगी, लेकिन अब वह किसी और से शादी करने जा रही है। मुझे रेखा ने

धोखा दिया है। इसलिए मैं सुसाइड कर रहा हूं।

इसके बाद वह कार लेकर घर से लापता हो गया। लड़की भी घर से लापता हो गई। उसके परिजनों ने शुक्रवार को सेक्टर-58 थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। आज दोपहर डेढ़ बजे दोनों के शव थाना सेक्टर-39 क्षेत्र में मिले।

प्रेमिका के लिए 1 करोड़ का फ्लैट खरीदा था

सुमित के पिता राजीव दिल्ली एमसीडी में कार्यरत हैं। रेखा और सुमित की स्कूलिंग साथ हुई थी। रेखा का सुमित के घर आना-जाना था। लड़के के परिजनों का कहना है कि दोनों का 15 साल से अफेयर चल रहा था और वे जल्द ही शादी करने वाले थे। सुमित ने रेखा के लिए एक फ्लैट भी खरीदा था, जिसकी कीमत करीब 1 करोड़ रुपए बताई जा रही है। परिजनों का आरोप है कि लड़की के परिजनों ने उसे बेटे के खिलाफ भड़का दिया था, जिसके बाद दोनों में कहासुनी हो गई थी। कल दोपहर 3-39 बजे सुमित ने लड़की के मोबाइल पर मैसेज भेजा था, जिसमें लिखा था कि वह आत्महत्या करने जा रहा है। इसके बाद वह कार लेकर घर से निकल गया। रात तक वापस नहीं आया। परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चला। आज दोपहर उन्हें सूचना मिली कि उसका शव मिला।

यूपी में एक करोड़ महिलाओं की पेंशन राशि बढ़ेगी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानमंडल में बजट सत्र का आज 5वां दिन है। राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलते हुए सीएम योगी ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा- हम 1.06 करोड़ निराश्रित महिलाओं को पेंशन दे रहे हैं। अभी उन्हें 12 हजार सलाना मिलता है। जल्द ही हम इसे बढ़ाने वाले हैं। परसों (आज 15 फरवरी) इसका ऐलान वित्त मंत्री सुरेश खन्ना कर देंगे। सीएम के इस ऐलान के बाद महिलाओं, वृद्धों और दिव्यांगजनों की पेंशन 1000 हजार रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपए होगी। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में भी इसकी घोषणा की थी।इससे पहले सीएम ने वंदे मातरम का जिक्र किया। कहा- सपा और कांग्रेस के सांसदों ने वंदे मातरम का विरोधा किया। लेकिन वंदे मातरम का अपमान कोई नहीं कर सकता। ये हिंदुस्तान की खाएंगे, लेकिन वंदे मातरम नहीं गाएंगे। ऐसे लोगों को यहां रहने का अधिकार नहीं है। जो इसका विरोध करता है, उसका कान पकड़कर बाहर करना चाहिए।

धमतरी में हाईवे पर कार की ट्रक से भीषण टक्कर

चार जवानों की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

धमतरी (एजेंसी)। धमतरी जिले के नेशनल हाईवे-30 पर खपरी के पास एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में चार जवानों की मौत हो गई है। वहीं, एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया है। बताया गया कि मृतक और घायल जवान 201 कोबरा बटालियन के हैं। वहीं, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को बाहर निकाल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। मिली जानकारी के अनुसार, सभी जवान कार में सवार होकर जगदलपुर से रायपुर की ओर जा रहे थे। तभी आज सुबह खपरी के पास जवानों की कार पहुंची और सड़क किनारे खड़ी ट्रक से सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पूरी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सड़क हादसा होते देख आसपास के लोगों ने तुरंत एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण त्यौहार है महाशिवरात्रि

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा/ ईएमएस)

(15 फ़रवरी महाशिवरात्रि पर विशेष)

भगवान शिव का त्यौहार है महाशिवरात्रि। भारत के सभी प्रदेशो में महाशिव रात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। भारत के साथ नेपाल, मारिशस सहित दुनिया के कई अन्य देशों में भी महाशिवरात्रि मनाते है। हर साल फाल्गुन मास में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिव रात्रि का व्रत किया जाता है। हिन्दू पुराणों के अनुसार इसी दिन सृष्टि के आरंभ में मध्यरात्रि मे भगवान शिव ब्रह्मा से रुद्र के रूप में प्रकट हुए थे। इसीलिए इस दिन को महाशिवरात्रि कहा जाता है।

योगिक परम्परा में इस दिन और रात को इतना महत्व इसलिए दिया जाता है क्योंकि यह आध्यात्मिक साधक के लिए जबर्दस्त संभावनाएं प्रस्तुत करते हैं। आधुनिक विज्ञान कई चरणों से गुजरने के बाद आज उस बिंदु पर पहुंच गया है। जहां वह प्रमाणित करता है कि हर वह चीज जिसे आप जीवन के रूप में जानते हैं। पदार्थ और अस्तित्व के रूप में जानते हैं। जिसे आप ब्रह्मांड और आकाशगंगाओं के रूप में जानते हैं। वह सिर्फ एक ही ऊर्जा है। जो लाखों रूपों में खुद को अभिव्यक्त करती है। हिंदू धर्म में सबसे बड़ा पर्व महाशिवरात्रि है। इस दिन सभी शिव मंदिरों में भीड़-भाड़ का माहौल रहता है। महाशिवरात्रि के दिन सभी भक्त महादेव की कृपा पाने के लिए विधिवत पूजा-पाठ करते हैं। पंचांग के अनुसार शिवरात्रि फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाई जाती है।

महाशिवरात्रि आध्यात्मिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण है। इस रात धरती के उत्तरी गोलार्ध की स्थिति ऐसी होती है कि इंसान के शरीर में ऊर्जा कुदरती रूप से ऊपर की ओर बढ़ती है। इस दिन प्रकृति इंसान को अपने आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने के लिए प्रेरित करती है। गृहस्थ जीवन में रहने वाले लोग महाशिवरात्रि को शिव की विवाह वर्षगांठ के रूप में मनाते हैं। सांसारिक महत्वाकांक्षाएं रखने वाले लोग इस दिन को शिव की दुश्मनों पर विजय के रूप में देखते हैं।

पुराणों में कहा जाता है कि एक समय शिव पार्वती जी कैलाश पर्वत पर बैठे थी। उसी समय पार्वती ने प्रश्न किया कि इस तरह का कोई व्रत है जिसके करने से मनुष्य आपके धाम को प्राप्त कर सके ? तब उन्होंने यह कथा सुनाई थी कि प्रत्यना नामक देश में एक व्यक्ति रहता था, जो जीवों को बेचकर अपना भरण पोषण करता था। उसने सेठ से धन उधार ले रखा था। समय पर कर्ज न चुकाने के कारण सेठ ने उसको शिवमठ में बन्द कर दिया। संयोग से उस दिन फाल्गुन बदी चतुर्दशी थी। वहां रातभर कथा, पूजा होती रही जिसे उसने भी सुना। अगले दिन शिघ्र कर्ज चुकाने की शर्त पर उसे छोड़ा गया। उसने सोचा रात को नदी के किनारे बैठना चाहिये। वहां जरूर कोई न कोई जानवर पानी पीने आयेगा।

माना जाता है की इस दिन भगवान शंकर और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस दिन लोग व्रत रखते हैं और भगवान शिव की पूजा करते है। महाशिवरात्रि का व्रत रखना सबसे आसान माना जाता है। इसलिये बच्चों से लेकर बूढ़ो तक सभी इस दिन व्रत रखते हैं। महाशिवरात्रि के व्रत रखने वालों के लिये अन्न खाना मना होता है। इसलिये उस दिन फलाहार किया जाता है। राजस्थान में व्रत के समय गाजर, बेर का सीजन होने से गांवों में लोगों द्वारा गाजर, बेर का फलाहार किया जाता है। लोग मन्दिरों में भगवान शिव की पूजा करते हैं व उन्हे आक, धतूरा चढ़ाते हैं। भगवान शिव को विशेष रूप से भांग का प्रसाद लगता है। इस कारण इस दिन काफी जगह शिवभक्त भांग घोट कर पीते हैं।

पुराणों में कहा जाता है कि एक समय शिव पार्वती जी कैलाश पर्वत पर बैठे थी। उसी समय पार्वती ने प्रश्न किया कि इस तरह का कोई व्रत है जिसके करने से मनुष्य आपके धाम को प्राप्त कर सके ? तब उन्होंने यह कथा सुनाई थी कि प्रत्यना नामक देश में एक व्यक्ति रहता था, जो जीवों को बेचकर अपना भरण पोषण करता था। उसने सेठ से धन उधार ले रखा था। समय पर कर्ज न चुकाने के कारण सेठ ने उसको शिवमठ में बन्द कर दिया। संयोग से उस दिन फाल्गुन बदी चतुर्दशी थी। वहां रातभर कथा, पूजा होती रही जिसे उसने भी सुना। अगले दिन शिघ्र कर्ज चुकाने की शर्त पर उसे छोड़ा गया। उसने सोचा रात को नदी के किनारे बैठना चाहिये। वहां जरूर कोई न कोई जानवर पानी पीने आयेगा। अतः उसने पास के बील वृक्ष पर बैठने का स्थान बना लिया। उस बील के नीचे एक शिवलिंग था। जब वह पेड़ पर अपने छिपने का स्थान बना रहा था उस समय बील के पत्तों को तोडकर फेंकता जाता था जो शिवलिंग पर ही गिरते थे। वह दो दिन का भूखा था। इस तरह से वह अनजाने में ही शिवरात्रि का व्रत कर ही चुका था। साथ ही शिवलिंग पर बेल-पत्र भी अपने आप चढ़ते गये।

एक पहर रात्रि बीतने पर एक गर्भवती हिरणी पानी पीने आई। उस व्याध ने तीर को धनुष पर चढ़ाया किन्तु हिरणी की कातर वाणी सुनकर उसे इस शर्त पर जाने दिया कि सुबह होने पर वह स्वयं आयेगी। दूसरे पहर में दूसरी हिरणी आई। उसे भी छोड़ दिया। तीसरे पहर भी एक हिरणी आई उसे भी उसने छोड़ दिया और सभी ने यही कहा कि सुबह होने पर मैं आपके पास आऊंगी। चौथे पहर एक हिरण आया। उसने अपनी सारी कथा कह सुनाई कि वे तीनों हिरणियां मेरी स्त्री थी। वे सभी मुझसे मिलने को छटपटा रही थी। इस पर उसको भी छोड़ दिया तथा कुछ और भी बेल-पत्र नीचे गिराये। इससे उसका हृदय बिल्कुल पवित्र, निर्मल तथा कोमल हो गया।

प्रातः होने पर वह बेल-पत्र से नीचे उतरा। नीचे उतरने से और भी बेल पत्र शिवलिंग पर चढ़ गये। अतः शिवजी ने प्रसन्न होकर उसके हृदय को इतना कोमल बना दिया कि अपने पुराने पापों को याद करके वह पछताने लगा और जानवरों का वध करने से उसे घृणा हो गई। सुबह वे सभी हिरणियां और हिरण आये। उनके सत्य वचन पालन करने को देखकर उसका हृदय दुग्ध सा धवल हो गया और वह फूट-फूट कर रोने लगा।

महाशिवरात्रि का पर्व हमारे जीवन में ईश्वरीय शक्ति के महत्व को दिखलाता है। हमें भगवान शिव के द्वारा मानव जाति तथा सृष्टि के कल्याण के लिए विषपान जैसे असीम त्याग को प्रदर्शित करता है। यह दिन हमें इस बात की याद दिलाता है कि यदि हमअच्छे कर्म करेंगे और ईश्वर के प्रति श्रद्धा रखेंगे तो ईश्वर भी हमारी रक्षा अवश्य केरेंगे। लोगों का मानना है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव हमारे निकट होते हैं और इस दिन पूजा अर्चना तथा रात्रि जागरण करने वालों को उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। कई लोग इस दिन दान धर्म करते है तथा गरीबों को खाना खिलाकर भगवान शिवजी से अपनी सुखी जीवन के लिए प्राथना करते है।

शिवरात्रि के प्रसंग को हमारे वेद, पुराणों में बताया गया है कि जब समुद्र मन्थन हो रहा था उस समय समुद्र में चौदह रत्न प्राप्त हुए। उन रत्नों में हलाहल भी था। जिसकी गर्मी से सभी देव दानव त्रस्त होने लगे। तब भगवान शिव ने उसका पान किया। उन्होंने लोक कल्याण की भावना से अपने को उत्सर्ग कर दिया। इसलिए उनको महादेव कहा जाता है। जब हलाहल को उन्होंने अपने कंठ के पास रख लिया तो उसकी गर्मी से कंठ नीला हो गया। तभी से भगवान शिव को नीलकंठ भी कहते हैं। शिव का अर्थ कल्याण होता है। जब संसार में पापियों की संख्या बढ़ जाती है तो शिव उनका संहार कर लोगों की रक्षा करते हैं। इसीलिए उन्हें शिव कहा जाता है।

योगियों और संन्यासियों के लिए यह वह दिन है जब शिव कैलाश पर्वत के साथ एकाकार हो गए थे। योगिक परम्परा में शिव को ईश्वर के रूप में नहीं पूजा जाता है। बल्कि उन्हें प्रथम गुरु, आदि गुरु माना जाता है। जो योग विज्ञान के जन्मदाता थे। कई सदियों तक ध्यान करने के बाद शिव एक दिन वह पूरी तरह स्थिर हो गए। उनके भीतर की सारी हलचल रुक गई और वह पूरी तरह स्थिर हो गए। वह दिन महाशिवरात्रि था। इसलिए संन्यासी महाशिवरात्रि को स्थिरता की रात के रूप में देखते हैं।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संपादकीय

गुमशुदाओं की तलाश

पिछले दिनों दिल्ली में अप्रत्याशित रूप से लोगों की गुमशुदगी की घटनाओं ने नीति-नियंताओं व अदालतों समेत पूरे देश का ध्यान खींचा। इस मामले में संज्ञान लेते हुए देश की शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को इस बात की जांच करने के निर्देश दिए कि देश के विभिन्न इलाकों में बच्चों की लगातार लापता होने की घटनाओं में कहीं किसी देशव्यापी गिरोहों का हाथ तो नहीं है? संकट कितना बड़ा है यह इस बात से पता चलता है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार साल 2023 में सारे देश से करीब आठ लाख लोग लापता हुए हैं, जिनमें अधिकांशत- बच्चे, महिलाएं और लड़कियां शामिल रही हैं। जाहिर तौर पर लापता लोगों का बढ़ता आंकड़ा कहीं न कहीं तंत्र की लापरवाही को ही उजागर करता है, जिसके चलते अपराधी-तत्व अपनी साजिशों को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं। इसी साल जनवरी के पहले पखवाड़े में सिर्फ दिल्ली से आठ सौ लोगों के लापता होने की खबरों ने देशवासियों की चिंताओं को बढ़ाया है। देशवासियों में इस बात को लेकर भी चिंता और नाराजगी है कि इस गंभीर आपराधिक संकट के समाधान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के समन्वय से कोई व्यापक अभियान क्यों नहीं चलाया जाता। विडंबना यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा कोई प्रामाणिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, जिससे यह पता चल सके कि राज्यवार कितने लोग वापस लौटे हैं और कितने लोग अभी भी गायब हैं। निश्चित रूप से इस संकट से निपटने के लिए एकीकृत राज्यवार ब्योरा उपलब्ध कराने की जरूरत है। बताया जाता है कि केंद्र सरकार के प्रतिनिधि ने सुप्रीम कोर्ट में इस बात को स्वीकार किया है कि राज्यों से लापता बच्चों और उनसे जुड़े अभियोजन के अंतिम आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। दरअसल, यह पहली बार नहीं है कि शीर्ष अदालत ने लापता बच्चों के आंकड़े जुटाने को कहा हो। कोर्ट ने बीते साल दिसंबर में भी केंद्र सरकार से लापता बच्चों से जुड़े पिछले छह साल के देशव्यापी आंकड़े उपलब्ध कराने को कहा था। दरअसल, कोर्ट ने इस बाबत राज्य के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करके प्रामाणिक जानकारी जुटाने को कहा था। इतना ही नहीं, गुमशुदा बच्चों की तलाश के मामले में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति के भी निर्देश दिए गए थे। इस दिशा में अपेक्षित प्रगति का न होना हमारे तंत्र की व्यवस्थागत कमियों को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से सारे देश से यदि लाखों लोगों के लापता होने के आंकड़े सामने आ रहे हैं, तो बहुत संभव है कि इसके पीछे कोई संगठित गिरोह काम कर रहा होगा। साथ ही यह भी पता लगाने की जरूरत है कि लापता लोगों के मामले में अपराधियों की कारगुजारियों में कहीं एकरूपता तो नहीं है। विगत में मानव तस्करी के मामले गाहे-बगाहे उजागर होते रहे हैं, जिसमें लड़कियों को देह व्यापार के धंधे में धकेलने के भी आरोप लगते रहे हैं। लेकिन इस संकट का समाधान तभी संभव होगा जब देश के सभी राज्यों से प्रामाणिक आंकड़े जुटाए जाएंगे। उनके व्यापक अध्ययन से अपराध करने की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकेगी। इसके साथ ही जरूरी है कि राज्य सरकारें भी अपने दायित्व को गंभीरता से निभाएं। इस मामले में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त न की जाए। इसके अलावा निगरानी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। देश की कानून-व्यवस्था में भरोसा कायम करने के लिए इन घटनाओं को शासन-प्रशासन के स्तर पर गंभीरता से लिया जाना भी जरूरी है। यहां इस बात की भी पड़ताल होनी चाहिए कि केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्रालय की तरफ से राज्यों में बच्चों की गुमशुदगी के आंकड़े दर्ज करने के लिए जो पोर्टल बनाया गया है, उसमें नियमित रूप से आंकड़े क्यों नहीं दर्ज किए जाते हैं। यह विडंबना है कि सरकारों को जिस दायित्व को अपने स्तर पर ईमानदारी से निभाने की जरूरत होती है, उसके लिये देश की शीर्ष अदालत को बार-बार याद दिलाना पड़ता है।

आध्यात्मिक ऊर्जा से जुड़ने का दिव्य अवसर है महाशिवरात्रि

(लेखक- योगेश कुमार गोयल / ईएमएस)

(महाशिवरात्रि (15 फरवरी) पर विशेष)

भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करने का विशेष अवसर है महाशिवरात्रि, जो भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूरी होती हैं और महाशिवरात्रि का व्रत रखने से पापों का नाश होता है, मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। प्रतिवर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व इस वर्ष 15 फरवरी को मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने का सुअवसर है। महाशिवरात्रि को शिव तत्व को आत्मसात करने, नकारात्मक ऊर्जाओं को समाप्त करने और आध्यात्मिक उत्थान प्राप्त करने का सबसे उत्तम अवसर माना जाता है।

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। इस रात्रि को जागरण करने वाले भक्तों को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शिव पुराण के अनुसार, इस दिन विधिपूर्वक व्रत रखने और रात्रि जागरण करने से समस्त पापों का नाश होता है और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि महाशिवरात्रि की रात्रि में चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है, जिसमें हर प्रहर में शिवलिंग का अलग-अलग द्रव्यों से अभिषेक किया जाता है, पहले प्रहर में जल, दूसरे प्रहर में दही, तीसरे प्रहर में घी और चौथे प्रहर में शहद से अभिषेक करने का विधान है।

धर्मग्रंथों में भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है?

इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ है, ''जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा,

जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।'' शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

(लेखक 36 वर्षों से साहित्य और पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

खुद को दूसरों से श्रेष्ठ मानकर अहंकार न करें

ईश्वर ने जब संसार की रचना की तब उसने सभी जीवों में एक समान रक्त का संचार किया। इसलिए मनुष्य हो अथवा पशु सभी के शरीर में बह रहा खून का रंग लाल है। विभिन्न योनियों की रचना भी इसलिए की ताकि मनुष्य कभी इस बात का अहंकार न करें कि वह दूसरों से श्रेष्ठ है क्योंकि जीवन और मरण के चक्र में कौन कब किस योनि में जाएगा यह किसी को पता नहीं।

समानता के पीछे ईश्वर की यही इच्छा थी कि संसार में आपसी प्रेम और सद्भाव बना रहे, लोगों में छोटे अथवा बड़े का भेद पैदा नहीं हो। लेकिन समय के साथ मनुष्य की बौद्धिक क्षमता बढ़ती गयी किन्तु व्यवहारिक ज्ञान का लोप होता चला गया। मनुष्य ईश्वर की इच्छा को समझ नहीं पाया और आपस में भेद-भाव करने लगा। शास्त्रों में लिखा है कि जो ईश्वर की इच्छा का सम्मान नहीं करता है ईश्वर उससे नाराज होते हैं परिणामस्वरूप व्यक्ति का पतन हो जाता है। एक कथा इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। महाभारत युद्ध के बाद काफी समय तक पांचों पाण्डवों ने कुशलता पूर्वक शासन करते हुए राज सुख का आनंद लिया। इसके बाद अपने उत्तराधिकारी को शासन का कार्य भार सौंप कर सभी ने सशरीर स्वर्ग की ओर प्रस्थान करने की योजना बनायी। निश्चित समय पर द्रौपदी समेत पांचों पाण्डव स्वर्ग की यात्रा पर निकल पड़े। मार्ग में उन्हें एक काला कुत्ता मिला। कुत्ता भी इनके पीछे-पीछे चल पड़ा। युधिष्ठर को छोड़कर सभी भाई एवं द्रौपदी को यह अच्छा नहीं लगा कि कुत्ता उनके साथ सशरीर स्वर्ग प्राप्त करे। सभी भाईयों ने कुत्ते को धक्का देकर पर्वत से नीचे गिराना चाहा। लेकिन, कुत्ता पर्वत से नहीं गिरा बल्कि बारी-बारी से सभी भाई और द्रौपदी पर्वत से गिर पड़े और सशरीर स्वर्ग नहीं पहुंच पाये। युधिष्ठर के पीछे-पीछे कुत्ता चलता रहा लेकिन युधिष्ठर ने इसका एतराज नहीं किया। स्वर्ग के पास पहुंचने पर एक विमान सामने नज़र आया। युधिष्ठर इसमें बैठ गये तो कुत्ता भी साथ में आकर बैठ गया, इस पर भी युधिष्ठर ने एतराज नहीं किया। युधिष्ठर की दयालुता और समानता के भाव को देखकर कुत्ता बनकर साथ में चल रहे धर्मराज अपने वास्तविक रूप में प्रकट हो गये और युधिष्ठर से कहा कि वास्तव में तुम धर्म के प्रतीक हो और तुम सशरीर स्वर्ग में प्रवेश करने की योग्यता रखते हुए। इस तरह समानता के भाव की वजह से युधिष्ठर सशरीर स्वर्ग में स्थान प्राप्त करने में सफल हुए और असमानता का भाव रखने वाले शेष पाण्डव अपने उद्देश्य में असफल हुए। पाण्डवों के स्वर्गारोहन की कथा का उल्लेख शास्त्रों में किया गया है। बद्रीनाथ धाम से लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर माणा गांव है। इस गांव में सरस्वती नदी के बीच एक विशाल शिलाखंड है जो दो पर्वतों को मिलाता है। माना जाता है कि यह विशाल शिलाखंड भीम द्वारा इस स्थान पर रखा गया ताकि द्रौपदी सरस्वती नदी को पार कर सके। इसे भीम पुल के नाम से जाना है।

विचार मंथन

रहमान के नेतृत्व वाले बांग्लादेश से खासी उम्मीदें

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

बांग्लादेश के आम चुनाव परिणामों ने दक्षिण एशिया की राजनीति में एक नया अध्याय लिखने के लिए एक कोरी डायरी पेश कर दी है। इसमें नई सरकार के काम-काज के साथ ही उनके असर को बिंदुवार रेखांकित किया जा सकेगा। दरअसल तारिक रहमान की 17 वर्ष बाद स्वदेश वापसी और उनकी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की निर्णायक जीत ने सत्ता संतुलन बदल दिया है। यह चुनाव जुलाई 2024 की हिंसक उथल-पुथल और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के लंबे शासन के अंत के बाद हुआ। स्वाभाविक है कि अब सबकी नजर नई सरकार की कथनी और करनी के साथ ही साथ विदेश नीति पर है। सवाल यही कि क्या ढाका नई दिल्ली के करीब आएगा या बीजिंग और इस्लामाबाद की ओर झुकेगा? वैसे भी भारत के लिए यह सवाल केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और रणनीतिक महत्व का है। याद करें जब 1971 में पूर्वी पाकिस्तान के दमन के खिलाफ मुक्ति संग्राम छिड़ा, तब भारत ने निर्णायक भूमिका निभाई। भारतीय सेना के हस्तक्षेप, शरणार्थियों को आश्रय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समर्थन ने स्वतंत्र बांग्लादेश के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। इसलिए भारत-बांग्लादेश संबंध केवल पड़ोसी देशों का रिश्ता नहीं, बल्कि साझा इतिहास, बलिदान और सांस्कृतिक निकटता से जुड़ा है। आखिर यह कौन नहीं जानता कि तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की दृढ़ कूटनीतिक और सैन्य रणनीति ने पाकिस्तान को 13 दिनों के युद्ध में घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। वक्त बदला और हालात भी बदले लेकिन भारत ने कभी भी बांग्लादेश के साथ दोयम दर्जे का बर्ताव कभी नहीं किया। हर समय कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ाने का काम किया, आर्थिक मदद प्रदान करने से भी पीछे नहीं हटा। यही वजह रही कि जैसे ही बीएनपी की बंपर जीत सामने आई नई दिल्ली ने तेजी से पहल करते हुए बधाई संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रगतिशील बांग्लादेश की कामना की। यह संदेश औपचारिक जरूर था, लेकिन इसके निहितार्थ स्पष्ट थे, भारत पिछले डेढ़ वर्ष की अस्थिरता, चीन-पाकिस्तान की बढ़ती सक्रियता और अल्पसंख्यकों पर हमलों जैसी चिंताओं को पीछे छोड़ स्थिर संबंध चाहता है।

गौरतलब है कि बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान एक प्रभावशाली राजनीतिक परिवार से आते हैं। वे पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे हैं। निर्वासन के लंबे काल के बाद उनकी वापसी ने जनता में उत्साह पैदा किया है। चुनाव प्रचार के दौरान उनका मेरे पास बांग्लादेश के लिए एक योजना है वाला संदेश नई शुरुआत का संकेत था। उन्होंने यह भी कहा है कि वे भारत के हितों का सम्मान करेंगे, यह बयान उनकी मां की बांग्लादेश पहले नीति से थोड़ा संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण दर्शाता है। बावजूद इसके बांग्लादेश को लेकर भारत की चिंताएं तीन आयामों में केंद्रित हैं। पहला, कहीं पाकिस्तान-चीन-बांग्लादेश का कोई त्रिकोणीय समीकरण न उभर आए। दूसरा, सीमा और आंतरिक सुरक्षा, विशेषकर अवैध घुसपैठ और पूर्वोत्तर भारत में अस्थिरता। तीसरा, आर्थिक हित। भारत को बांग्लादेश के साथ व्यापार में उल्लेखनीय लाभ है; वह वहां के वस्त्र उद्योग को बड़े पैमाने पर कच्चा कपास निर्यात करता है। स्थिर संबंध दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए लाभकारी होंगे। शेख हसीना के काल में संबंध अपेक्षाकृत स्थिर रहे। सीमा समझौते, यातायात संपर्क और सुरक्षा सहयोग में प्रगति हुई। हालांकि अवामी लीग इस बार चुनावी मैदान से बाहर रही और हसीना पर कानूनी संकट भी मंडरा रहा है, लेकिन यह भी सच है कि सत्ता परिवर्तन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। भारत को बदलती राजनीतिक वास्तविकताओं के साथ तालमेल बिठाना ही होगा। एक सकारात्मक संकेत यह है कि कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी सरकार का हिस्सा नहीं बन रही। यदि ऐसा होता तो भारत की सुरक्षा चिंताएं और गहरी हो सकती थीं।

चीन की बढ़ती आर्थिक मौजूदगी, विशेषकर बंदरगाह और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय है। श्रीलंका और पाकिस्तान में चीनी निवेश के रणनीतिक आयाम पहले से स्पष्ट हैं। बांग्लादेश में भी ऐसी संभावनाएं भारत को सजग रहने को बाध्य करती हैं। फिलहाल भारत रुको और देखो की नीति अपनाए हुए है।

उसे भावनात्मक प्रतिक्रिया के बजाय व्यावहारिक कूटनीति अपनानी होगी। ढाका की नई सरकार भी समझती है कि भारत से दूरी बनाना आसान विकल्प नहीं। भौगोलिक, आर्थिक और सांस्कृतिक निकटता दोनों देशों को सहयोग की दिशा में ही ले जाती है। आखिरकार, 1971 की साझी विरासत आज भी दोनों देशों के रिश्तों की आधारशिला है। यदि तारिक रहमान उस ऐतिहासिक सच्चाई को ध्यान में रखते हुए संतुलित विदेश नीति अपनाएंगे तो बांग्लादेश और भारत मिलकर दक्षिण एशिया में स्थिरता और समृद्धि का नया अध्याय लिख सकते हैं। उम्मीदें खासी हैं और अब परीक्षा नई सरकार की है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.711 अरब डॉलर घटा, स्वर्ण भंडार में भी गिरावट

- सोने का भंडार 14.208 अरब डॉलर घटकर 123.476 अरब डॉलर पर आ गया

नई दिल्ली । भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी ताज़ा आंकड़ों के अनुसार 6 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह में भारत का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 6.711 अरब डॉलर घटकर 717.064 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले यह 723.774 अरब डॉलर पर था, जो अब तक का सर्वाधिक स्तर था। विशेषज्ञों के अनुसार यह गिरावट वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव के कारण एक सामान्य करेक्शन मानी जा रही है। सबसे बड़ी चर्चा गोल्ड रिजर्व में हुई गिरावट को लेकर है। पिछले सप्ताह जहां सोने के भंडार में 14.595 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी, वहीं इस सप्ताह यह 14.208 अरब डॉलर घटकर 123.476 अरब डॉलर पर आ गया। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक सोने की कीमतों में बदलाव और आरबीआई की रणनीतिक खरीद-बिक्री इसका मुख्य कारण हैं। यह 2 जनवरी के बाद पहली बार इतनी बड़ी गिरावट है। वहीं फॉरेन करेंसी असेट्स (एफसीए) में इस सप्ताह 7.661 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई, जो इसे 570.053 अरब डॉलर पर ले गई। एफसीए में यूरो, पाउंड और येन जैसी मुद्राओं के मूल्य परिवर्तन का असर देखा गया। पिछले चार हफ्तों में कुल 36.97 अरब डॉलर की बढ़ोतरी भी रही, जिसे व्यापारिक सौदों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जोड़कर देखा जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की स्थिति और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में भी मामूली कमी दर्ज की गई है। एसडीआर 132 मिलियन डॉलर और आईएमएफ स्थिति 32 मिलियन डॉलर घट गई।

जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए 2,000 करोड़ रुपये का कोष

नई दिल्ली । केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने जैव द्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद- अनुसंधान, विकास एवं नवाचार (बाइरैक-आरडीआई) कोष की शुरुआत की। इस कोष के माध्यम से जैव प्रौद्योगिकी (बायोटेक) क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए पांच साल की अवधि में 2,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस कोष का उद्देश्य प्रयोगशाला अनुसंधान और औद्योगिक विनिर्माण के बीच के अंतर को पाटना है। इसके तहत टीआरएल-4 से टीआरएल-9 तक की प्रौद्योगिकियों को इक्विटी, परिवर्तनीय उपकरणों और दीर्घकालिक ऋण के माध्यम से सहायता दी जाएगी। पात्र स्टार्टअप, एसएमई और उद्योग भागीदार आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से प्रस्ताव जमा कर सकते हैं। पहले चरण के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2026 है।

इंडिगो को 1.27 करोड़ के जुर्माने का नोटिस

नई दिल्ली । इंडिगो पर जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित 1.27 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया है। एयरलाइन ने यह जानकारी दी। इंडिगो ने कहा है कि वह इस आदेश को चुनौती देगी। बीएसई को दी गई जानकारी में, एयरलाइन की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने कहा कि उसे जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित नोटिस मिला है। साथ ही, मुंबई के बांद्रा स्थित संयुक्त राज्य कर आयुक्त कार्यालय (अपील) ने ब्याज और जुर्माने के साथ राशि वसूलने का आदेश भी भेजा है। कंपनी का मानना है कि अधिकारियों द्वारा पारित आदेश त्रुटिपूर्ण है और उसका पक्ष मजबूत है। कुल 1.27 करोड़ रुपये का जुर्माना जुलाई 2017 से मार्च 2018 की अवधि के लिए है।

भारतीय आईटी सेक्टर को फरवरी में भारी झटका, निवेशक चिंतित

- आईटी कंपनियों की मार्केट कैप में लगभग 4.5 लाख करोड़ की गिरावट

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार के भरोसेमंद माने जाने वाले आईटी सेक्टर के लिए फरवरी कोई अच्छा महीना नहीं रहा। मात्र 13 कारोबारी दिनों में आईटी कंपनियों की मार्केट कैप में लगभग 50 अरब डालर (4.5 लाख करोड़) की गिरावट दर्ज हुई। शुक्रवार को समाप्त हुए सप्ताह में निफ्टी आईटी इंडेक्स 8.2 फीसदी टूट गया, जो अप्रैल 2025 के बाद की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट है। इस दौरान टीसीएस, इंफो सिस और एचसीएल टेक के शेयरों में क्रमशः 2.1 फीसदी, 1.2 फीसदी और 1.4 फीसदी की गिरावट आई। पिछले महीने एंथ्रो पिक ने नया एआई टूल लॉन्च किया, जिसने वैश्विक टेक जगत में हलचल मचा दी।

निवेशकों का डर है कि जेनरेटिव एआई भारत की 283 अरब डॉलर की आईटी सर्विस इंडस्ट्री के पारंपरिक बिजनेस मॉडल को प्रभावित कर सकता है। कोडिंग और टेस्टिंग जैसी बुनियादी सेवाओं के ऑटोमेशन से कंपनियों की आमदनी पर असर पड़ने की संभावना है। जेपी मोरगन ने चेतावनी दी कि ग्लोबल क्लाइंट्स अब आईटी बजट का पुनर्वितरण कर सकते हैं और पारंपरिक सॉफ्टवेयर सेवाओं से हटकर एआई-आधारित समाधानों की ओर ध्यान देंगे। बाजार में शुक्रवार को हल्की रिकवरी हुई, जिसे बो यिंग द` डिप से जोड़ा गया। कुछ निवेशकों ने गिरावट के बाद शेयरों को आकर्षक मूल्य पर खरीदा। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार ने एआई से उत्पन्न खतरों पर जरूरत से ज्यादा और जल्दी प्रतिक्रिया दी।

डाबर इंडिया दक्षिण भारत में पहली विनिर्माण इकाई लगाएगा

चेन्नई । दैनिक उपयोग के उत्पाद बनाने वाली कंपनी डाबर इंडिया विल्लुपुरम जिले के टिंडीवनम में अपनी पहली दक्षिण भारत स्थित विनिर्माण इकाई स्थो पित करेगी, इसके झलिए कंपनी ने हाल ही में यहां भूमिपूजन किया। इस परियोजना की लागत 400 करोड़ रुपये है और यह संयंत्र टूथपेस्ट के अलावा व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों जैसे डाबर गुलाबारी, वाटिका हेयर ऑयल और अनमोल हेयर ऑयल का निर्माण करेगा। कंपनी का कहना है कि यह संयंत्र प्रत्यक्ष रूप से 250 से अधिक लोगों को रोजगार देगा और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों के लिए अवसर सृजित करेगा। संयंत्र में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग होगा, यह पूरी तरह से नवीकरणीय ऊर्जा पर संचालित होगा और मुख्य रूप से महिला कामगारों के साथ एक समावेशी कार्यस्थल होगा। भूमिपूजन समारोह में मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने डिजिटल रूप से भाग लिया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री टीआरबी राजा, उद्योग मंत्रालय के प्रधान सचिव अरुण रॉय और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सेबी ने पांच कंपनियों को आईपीओ लाने की मंजूरी दी

- सभी शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे

नई दिल्ली । बाजार नियामक सेबी ने प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन, ड्यूरोफ्लेक्स, विरुपाक्ष ऑर्गेनिक्स, हेक्सागॉन न्यूट्रिशन और ओम पावर ट्रांसमिशन को आईपीओ लाने की मंजूरी दे दी है। ये कंपनियां 2026 में अपने शेयर आम जनता के लिए जारी करेंगी और सभी शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे। प्रीमियर इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन का प्रस्तावित आईपीओ 2.25 करोड़ शेयर के नए निर्गम और 54 लाख शेयर की बिक्री पेशकश पर आधारित है। वहीं, गद्दे बनाने वाली कंपनी ड्यूरोफ्लेक्स का आईपीओ 183.6 करोड़ रुपये के नए शेयर निर्गम और प्रवर्तकों तथा मौजूदा निवेशकों द्वारा 2.25 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश का मिश्रण है। दवा कंपनी विरुपाक्ष ऑर्गेनिक्स का आईपीओ पूरी तरह से नया निर्गम है और यह 740 करोड़ रुपये के शेयरों के जारी करने पर केंद्रित है। इसके विपरीत, हेक्सागॉन न्यूट्रिशन का प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश है, जिसमें प्रवर्तकों द्वारा 3.08 करोड़ से अधिक शेयर बेचे जाएंगे। ओम पावर ट्रांसमिशन ने भी आईपीओ के लिए आवेदन किया है। हालांकि, इसकी संरचना का विवरण अभी सार्वजनिक नहीं हुआ है। इन कंपनियों ने सितंबर और अक्टूबर 2025 के बीच आईपीओ दस्तावेज़ सेबी के पास दाखिल किए थे। सेबी ने इन्हें मंजूरी दे दी।

सोमवार से शेयर बाजार में बड़ी कंपनियां होंगी लिस्ट, दो नए आईपीओ भी खुलेंगे

मुंबई।

सोमवार से शेयर बाजार में आईपीओ का अच्छा माहौल होने वाला है। कुछ बड़ी कंपनियां लिस्ट होने वाली हैं और दो नई आईपीओ खुलने वाले हैं। ये आईपीओ एआई, फाइनेंस, टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर और सप्लाई चेन जैसे सेक्टर में हैं, जो निवेशकों को कमाई का मौका दे सकती हैं। बाजार में इस हफ्ते ज्यादा आईपीओ तो नहीं आ रहे हैं, लेकिन लिस्टिंग और नए इश्यू से हलचल रहेगी। बता दें 16 फरवरी को दो बड़ी कंपनियां एनएसई और बीएसई पर लिस्ट होंगी। पहली है फैक्टल एनालिटिक्स, जो डेटा और एआई सॉल्यूशंस में लीडर है। इसका आईपीओ 2833.90 करोड़ रुपए का था और ये फैक्टल, एआई और फैक्टल अल्फा ब्रांड्स के तहत काम करती है। सब्सक्रिप्शन 2.66 गुना हुआ, मतलब अच्छी मांग रही।

वहीं दूसरी कंपनी है आय फाइनेंस, जो मिडिल लेयर एनबीएफसी है और माइक्रो तथा स्मॉल बिजनेस को लोन देती है। इसका आईपीओ 1010 करोड़ का था और सब्सक्रिप्शन 97 फीसदी रहा। दोनों में निवेशकों की मजबूत दिलचस्पी दिखी। इसके अलावा 19 फरवरी को मारुशिका टेक्नोलॉजी एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होने जा रही है। नई आईपीओ की शुरुआत भी हो रही है। फैक्टल इंडस्ट्रीज का आईपीओ 16 से 18 फरवरी तक खुलेगा। ये बीएसई एसएमई पर लिस्ट होगी। इश्यू साइज 49 करोड़ रुपए का फ्रेश इश्यू है1 प्राइस बैंड 205 से 216 रुपये प्रति शेयर है। लॉट साइज 600 शेयर है, मतलब रिटेल निवेशक के लिए कम से कम 1200 शेयर। कंपनी गारमेंट्स डिजाइन, सोर्सिंग और मैन्युफैक्चरिंग करती है। ई-कॉमर्स कंपनियों जैसे

अजियो और मिंत्रा के लिए वेयरहाउसिंग और सप्लाई चेन हैंडल करती है। आईपीओ का पैसा वर्किंग कैपिटल, जनरल पर्पज और खर्चों में लगेगा। बुक रनिंग लीड मैनेजर फिनैक्स कैपिटल एडवाइजर्स है और रजिस्ट्रार केफिन टेक्नोलॉजीज।

इसके बाद गौडियम आईवीएफ का आईपीओ 20 से 24 फरवरी तक खुलेगा। ये एनएसई और बीएसई पर होगा। कंपनी 2015 से चल रही है और हब-एंड-स्पोक मॉडल से कई राज्यों में आईवीएफ सेंटर्स चलाती है। प्राइस बैंड, लॉट साइज और पूरी डिटेल्स जल्द आने वाली हैं। ये हेल्थकेयर सेक्टर में महिलाओं की हेल्थ पर फोकस करती है। आय फाइनेंस फाइनेंशियल सेक्टर को मजबूती देगी। एसएमई आईपीओ जैसे फैक्टल इंडस्ट्रीज और मारुशिका से छोटे निवेशकों को मौका मिलेगा। गौडियम आईवीएफ हेल्थकेयर में नई संभावनाएं लाएगी। निवेश से पहले अच्छे से रिसर्च करें, क्योंकि बाजार में उतार-चढ़ाव रहता है। सब्सक्रिप्शन और जीएमपी देखकर ही पैसे लगाएं।

क्रिप्टो मार्केट का सबसे बड़ा कॉइन बिटकॉइन में बड़ी गिरावट

आधी हुई वैल्यू, अभी 55 फीसदी और गिरावट का अनुमान

नई दिल्ली।

बिटकॉइन की कीमतों में इस हफ्ते भी गिरावट तेज रही, लेकिन शनिवार को इसमें 4 फीसदी की तेजी रही और इसकी कीमत लगभग 68,864 डॉलर पर आ चुकी है। हालांकि एक्सपटर्स को इस तेजी पर कुछ खास भरोसा नहीं हो रहा है। उनका कहना है कि इस बड़ी गिरावट के बीच यह एक छोटी सी उछाल है और गिरावट अभी भी हावी है।

बिटकॉइन अभी भी अपने रिकॉर्ड स्तर से करीब आधा गिर चुका है। क्रिप्टोकरेंसी अक्टूबर में अपने उच्चतम स्तर से लगभग 44 प्रतिशत गिर चुकी है, जो पिछले कई महीनों में हुए करेक्शन के कारण हुआ है। शुक्रवार को बिटकॉइन लगभग 69,180 पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले साल के अंत में आई तेजी के दौरान देखे गए स्तरों से काफी नीचे है।

अभी और गिर सकता है बिटकॉइन

मिड टर्म को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, नेड डेविस रिसर्च (एनडीआर) के रणनीतिकारों ने चेतावनी दी है कि भारी बिकवाली के बाद भी आगे और गिरावट आ सकती है। इस महीने की शुरुआत में ग्राहकों को जारी एक नोट में, एनडीआर ने कहा कि अगर मौजूदा मंदी एक पूरे बिटकॉइन विंटर में बदल जाती है, तो कीमतें मौजूदा स्तरों से काफी नीचे तक गिर सकती हैं।

55 फीसदी तक टूट सकता है बिटकॉइन

नेड डेविस रिसर्च के मुख्य रणनीतिकार पैट त्सचोसिक और विश्लेषक फिलिप मौल्स के अनुसार, गंभीर मंदी की स्थिति में बिटकॉइन की कीमत गिरकर 31,000 डॉलर तक जा सकती है। इस तरह की गिरावट का मतलब मौजूदा कीमतों से लगभग 55 प्रतिशत की और गिरावट होगी, जिससे हाल के उच्चतम स्तर के करीब निवेश करने वाले निवेशकों को और अधिक ज्यादा नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

75 फीसदी तक टूट चुका है बिटकॉन

एक्सपर्ट्स का कहना है कि बिटकॉइन की ऐतिहासिक गिरावट विश्लेषण पर आधारित है।

उन्होंने बताया कि पिछली बड़ी बिकवाली के दौरान, बिटकॉइन में आमतौर पर लगभग 70 प्रतिशत से 75 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है, जब गिरावट लंबे समय तक मंदी के दौर में बदल गई। अगर इतिहास खुद को दोहराता है, तो मौजूदा गिरावट अभी भी जारी रह सकती है।

बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के अनुसार, नेड डेविस रिसर्च ने यह भी बताया कि 2011 से लेकर अब तक बिटकॉइन की मंदी के दौर में औसतन लगभग 84 प्रतिशत की गिरावट आई है। ये गिरावटें न केवल गहरी थीं, बल्कि लंबी भी रहीं।

कई राज्यों के रेरा प्राधिकरण वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित नहीं कर रहे: एफपीसीई

नई दिल्ली ।

घर खरीदारों के संगठन 'फोरम फॉर पीपल्स कलेक्टिव एफर्ट्स' (एफपीसीई) ने चेतावनी दी कि कई राज्यों के रेरा प्राधिकरण अपने वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करने के वैधानिक दायित्व को पूरा नहीं कर रहे हैं। संगठन ने रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 की धारा 78 के उल्लंघन की ओर ध्यान आकर्षित किया। एफपीसीई के अनुसार देशभर में 75 प्रतिशत से अधिक रेरा प्राधिकरणों ने या तो कभी वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित नहीं की, या उनका प्रकाशन बंद कर दिया, या रिपोर्ट अपडेट नहीं की गई। कर्नाटक, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और गोवा ने कोई` रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की। वहीं महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना ने शुरुआत में` रिपोर्ट दी लेकिन अब` रिपोर्ट देना बंद कर दी है। संगठन ने आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय से अनुरोध किया है कि सभी रेरा प्राधिकरणों को निर्धारित प्रारूप में रिपोर्ट प्रकाशित करने के नए निर्देश जारी किए जाएं। इसके साथ ही धारा 82 और 83 के तहत दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए राज्य सरकारों को निर्देश देने की मांग की गई है।

भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह भर उतार-चढ़ाव, शुरुआती तेजी के बाद गिरावट

- वैश्विक कमजोर संकेत और एआई से जुड़ी चिंताओं ने सप्ताह के आ खिर में बाजार की तेजी पर ब्रेक लगाया

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार तक समाप्त हुए सप्ताह में मिश्रित रुझान दिखाया। सप्ताह की शुरुआत में सकारात्मक आर्थिक संकेत और भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौतों की उम्मीद से निवेशकों का मनोबल ऊंचा रहा, लेकिन सप्ताह के अंत तक वैश्विक कमजोर संकेतों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी संभावित व्यवधानों की चिंताओं के कारण बाजार ने गिरावट दर्ज की। सप्ताह के पहले दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। विदेशी निधियों के प्रवाह और एशियाई बाजारों की मजबूती ने निवेशकों के मनोबल को बढ़ाया। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 415.97 अंक बढ़कर 83,996.37 पर पहुंचा, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.05 अंक बढ़कर 25,819.75 पर पहुंच गया।

दिन के अंत में सेंसेक्स 485.35 अंक की बढ़त के साथ 84,065.75 पर और निफ्टी 173.60 अंक की बढ़त के साथ 25,867.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी बाजार की गति बनी रही। एशियाई बाजारों के सकारात्मक रुझान और अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार ढांचे पर आशावाद ने निवेशकों का उत्साह बनाए रखा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 247.01 अंक बढ़कर 84,312.76 पर और निफ्टी 80.25 अंक बढ़कर 25,947.55 पर पहुंच गया। बुधवार को बाजार में शुरुआती तेजी देखी गई, सेंसेक्स 213.42 अंक बढ़कर 84,487.34 पर और निफ्टी 74.25 अंक बढ़कर 26,009.40 पर पहुंच गया। हालांकि, उच्च स्तर पर मुनाफा लेने की प्रवृत्ति ने दोनों सूचकांकों में अस्थिरता ला दी। दिन के अंत में सेंसेक्स 40.28 अंक गिरकर 84,233.64 पर और निफ्टी 18.70 अंक बढ़कर 25,953.85 पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को बाजार में तेज गिरावट देखी गई। कमजोर वैश्विक संकेतों और एआई से जुड़े व्यवधानों की बढ़ती चिंताओं के कारण निवेशकों की भावना नकारात्मक रही। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 883.4 अंक गिरकर 82,791.52 पर और निफ्टी 262.60 अंक गिरकर 25,544.60 पर पहुंच गया। साप्ताहिक तौर पर देखा जाए तो सप्ताह की शुरुआत में बाजार में मजबूती थी, लेकिन वैश्विक और तकनीकी चिंताओं ने सप्ताह के अंत में बाजार की तेजी को रोक दिया।

अडानी की झोली में आई 2 रुपये के शेयर वाली कंपनी, एनसीएलटी को हरी झंडी

मुंबई ।

कभी देश की दिग्गज इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में गिनी जाने वाली पुंज लॉयड के अधिग्रहण को लेकर बड़ी खबर आई है। दरअसल, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने कंपनी को लिक्विडेशन के दौरान गोइंग कंसर्न के रूप में बेचने को मंजूरी दे दी है। एनसीएलटी ने साफ किया है कि कंपनी को मौजूदा हालत में ही लिया जाएगा। पुरानी देनदारियां, कानूनी विवाद और दावे अपने-अपने कानूनी प्रावधानों के तहत निपटाए जाएंगे। दरअसल हाल ही में दिल्ली के नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की प्रिंसिपल बेंच ने आदेश पारित करते हुए कहा कि पुंज लॉयड का अधिग्रहण अडानी इंफ्रा (इंडिया) लिमिटेड द्वारा किया जाएगा।

यह पूरा मामला आईसीआईसीआई बैंक द्वारा दायर की गई दिवालिया याचिका से जुड़ा है। पहले कंपनी के खिलाफ कॉरपोरेट इनसॉल्वेंसी रेजोल्यूशन प्रोसेस शुरू हुआ था लेकिन कोई समाधान योजना सफल नहीं हो सकी। इसके बाद लिक्विडेशन का आदेश दिया गया। यह आदेश जून 2022 में आया था। लिक्विडेशन के दौरान कई ई-ऑक्शन हुए। इसके बाद अडानी समूह की कंपनी अडानी इंफ्रास्ट्रक्चर की बोली को मंजूरी मिली।

अंबानी को वेनेजुएला के कच्चे तेल की सीधी खरीद का मिला लाइसेंस

- कंपनी रियायती दर पर भारी कच्चे तेल का आयात कर सकेगी

मुंबई ।

मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) को वेनेजुएला से कच्चा तेल सीधे खरीदने का अमेरिकी लाइसेंस मिल गया है। इस अनुमति से कंपनी रियायती दर पर भारी कच्चे तेल का आयात कर सकेगी। वेनेजुएला का तेल गुजरात के जामनगर रिफाइनरी के लिए उपयुक्त माना जाता है, जो रिफाइनिंग मार्जिन को बेहतर कर सकता है। जनवरी के अंत में अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को यह अनुमति दी थी। इससे पहले अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण वेनेजुएला से तेल केवल बीचौलियों के माध्यम से उपलब्ध था। जामनगर रिफाइनिंग परिसर दुनिया का सबसे बड़ा है। रिलायंस पहले भी वेनेजुएला से तेल खरीदार रही है। अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण 2019-20 में आयात रुका था, लेकिन 2024 में मिली अस्थायी राहत के दौरान कंपनी ने वेनेजुएला से तेल खरीदा। इस साल कारोबारियों के माध्यम से विटॉल कंपनी से 20 लाख बैरल तेल खरीदा गया। सरकारी तेल कंपनियां इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) ने भी इस छूट का लाभ उठाया और कुल 20 लाख बैरल कच्चा तेल वेनेजुएला से खरीदा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस से तेल आयात घटाने और अमेरिका सहित अन्य स्रोतों से तेल आयात बढ़ाने पर सहमति जताई है। वेनेजुएला का ओरिनोको बेल्ट क्षेत्र भारी और बहुत-भारी ग्रेड के तेल के लिए प्रसिद्ध है, और यह रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी के लिए पूरी तरह उपयुक्त है। इस कदम से भारत की रणनीति में कच्चे तेल के स्रोतों में विविधता और ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी।

रेलवे ने ई-टिकटिंग में फर्जी बुकिंग और साइबर अपराधों पर लगाई रोक

- दिसंबर तक के पिछले छह महीनों में 60.43 अरब फर्जी बुकिंग प्रयास रोके गए

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने 2025 में ई-टिकटिंग प्रणाली को सुरक्षित बनाने के लिए 3.03 करोड़ संदिग्ध यूजर आईडी बंद कर दी हैं। दिसंबर तक के पिछले छह महीनों में 60.43 अरब फर्जी बुकिंग प्रयास रोके गए। इससे असली यात्रियों को पहले आधे घंटे में टिकट आसानी से मिलना शुरू हुआ। पहले दलाल आधे घंटे में सारी बुकिंग कर लेते थे, जिससे आम यात्रियों को समस्या होती थी। रेलवे ने बुकिंग प्रणाली में आधार लिंकिंग और ओटीपी को अनिवार्य किया है। बुकिंग शुरू करने से पहले आधार नंबर डालना होता है और लिंक्ड मोबाइल पर ओटीपी आता है। केवल सही ओटीपी डालने पर बुकिंग प्रोसेस आगे बढ़ता है। इससे एक व्यक्ति के 10-20 फर्जी अकाउंट बनाना लगभग असंभव हो गया। जुलाई 2025 से यह सिस्टम कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण लगा चुका है। ई-टिकटिंग वेबसाइट पर कई स्तरों पर कैपटेक लगाया गया है, जिसे कंप्यूटर प्रोग्राम क्रैक नहीं कर सकते। अकामाई एंटी-बॉट टूल फर्जी ट्रैफिक तुरंत पकड़ता है। वेबसाइट तेज लोड के लिए सीडीएन का इस्तेमाल है। साथ ही नेटवर्क फायरवॉल, आईपीएस और डब्ल्यूएफ 24 गुणित 7 सतर्क हैं। आईएसपी स्तर पर 30 जीबीपीएस डीडीओएस मिटिगेशन मौजूद है। रेलटेल डार्क वेब स्कैनिंग करता है। चाणक्यपुरी डेटा सेंटर सीसीटीवी और आईएसओ 27001 सर्टिफाइड है। सीईआरटी-इन 24म7 निगरानी रखता है और नियमित ऑडिट करता है। शक के आधार पर 12,819 ईमेल डोमेन ब्लॉक किए गए और 3.99 लाख फर्जी बुकिंग पकड़ी गईं।

भारत-पाक महामुकाबला आज: विवादों के यू-टर्न के बाद अब मैदान पर असली जंग, जीत से कम कुछ नहीं मंजूर

कोलंबो (एजेंसी)। क्रिकेट और सियासत के घालमेल से पैदा हुए गतिरोध के अस्थायी समाधान के बाद आखिरकार टी20 विश्व कप 2026 का सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबला आज होने जा रहा है, जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे। पाकिस्तान ने पहले मैच के बहिष्कार का फैसला लिया था, लेकिन बाद में अचानक यू-टर्न लेकर आर. प्रेमदासा स्टेडियम में मुकाबला खेलने पर सहमति दे दी। इस निर्णय के पीछे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद, श्रीलंका क्रिकेट और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की कई दौर की बातचीत रही, क्योंकि दक्षिण एशिया ही नहीं, बल्कि पूरे क्रिकेट जगत की निगाहें इस मुकाबले पर टिकी हैं। प्रसारक, प्रायोजक और दुनिया भर के दर्शक इस मैच को टूर्नामेंट की सबसे बड़ी धड़कन मानते हैं।

विवाद की शुरुआत तब हुई जब बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान का कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ आईपीएल करार रद्द कर दिया गया। बांग्लादेश के समर्थन में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच न खेलने की घोषणा कर दी थी। हालांकि खिलाड़ियों ने इसे ÷सिर्फ एक मैच÷ बताकर हाइप कम करने की कोशिश की, मगर भारत-पाक प्रतिद्वंद्विता ऐसी है कि हार किसी भी टीम को मंजूर नहीं क्योंकि उसके बाद प्रशंसकों की प्रतिक्रिया भी उतनी ही तीखी होती है।

भारतीय टीम की चिंता सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की उपलब्धता है, जो पेट संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती रहे और नामीबिया मैच में नहीं खेले। उनके नहीं खेलने पर संजू सैमसन को उतारने या फिर ईशान किशन के साथ वॉशिंगटन सुंदर को ओपनिंग में भेजने का विकल्प है, जो न केवल फिट हो चुके हैं, बल्कि प्रेमदासा की धीमी पिच पर उपयोगी स्पिनर भी साबित हो सकते हैं। इसके अलावा पिच को देखते हुए कुलदीप यादव को शामिल किया जा सकता है खासकर बाबर आज़म के खिलाफ उनके सफल रिकॉर्ड को ध्यान में रखते हुए। ऐसे में रिंकू सिंह को बाहर रहना पड़ सकता है।

विश्व कप से पहले मजबूत दिख रही भारतीय बल्लेबाजी शुरुआती दो मैचों में कुछ अस्थिर दिखी है। अमेरिका के खिलाफ 77 पर छह विकेट गिरना और नामीबिया के खिलाफ डैथ ओवरों में पांच विकेट गंवाना टीम की

कमजोरी उजागर करता है, हालांकि दोनों मैच भारत ने बड़े अंतर से जीते। सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन और हार्दिक पांड्या मुश्किल हालात में टीम को निकालते रहे हैं, लेकिन बड़े मैच में सामूहिक प्रदर्शन ही जीत की कुंजी है। पाकिस्तान को कोलंबो की पिचों की बेहतर जानकारी है, क्योंकि उसके मैच यहीं खेले जा रहे हैं। स्पिनर उस्मान तारिक, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज भारत के बल्लेबाजों की सख्त परीक्षा लेंगे। वहीं बल्लेबाजी में साहिबजादा फरहान, सईम अयूब और फहीम अशरफ पर जिम्मेदारी होगी। हालांकि पाकिस्तान अब तक ऐसे मजबूत गेंदबाजी आक्रमण से नहीं भिड़ा, जैसा भारत के पास है जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और शिवम दुबे सभी मैच-विनर हैं। आखिर में यह मुकाबला केवल कौशल का नहीं, बल्कि दबाव को संभालने की क्षमता का होगा। जो टीम बाहरी और भीतर दोनों तरह के तनाव को काबू में रखेगी, वही आज की असली जंग जीतेगी।

टीम इस प्रकार है

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा,वरूण चक्रवर्ती।

पाकिस्तानः सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

प्रमोद भगत ने रचा नया इतिहास, मनामा में जीता करियर का छठा विश्व खिताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने मनामा में आयोजित प्रतिष्ठित बीडब्ल्यूएफ पैरा बैडमिंटन वर्ल्ड चैम्पियनशिप में एक बार फिर कमाल करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया और इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया। 37 वर्षीय भगत ने पुरुष एकल एसएल3 वर्ग के फाइनल में इंडोनेशिया के मोहम्मद अल इमरान को 21-12, 21-18 से हराकर लगातार चौथा और कुल छठा विश्व खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ वह पैरा बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे सफल एकल खिलाड़ी बन गए हैं। एसएल3 वर्ग में उन खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है जिनके निचले अंगों में गंभीर विकलांगता होती है। प्रमोद भगत पांच वर्ष की उम्र में पोलियो से प्रभावित हुए थे, लेकिन उन्होंने इस कमजोरी को अपनी ताकत में बदलकर विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई। 2009, 2015, 2019, 2022 और 2024 में पहले ही स्वर्ण जीत चुके भगत का यह नया खिताब उनकी अदम्य इच्छाशक्ति और खेल के प्रति समर्पण का प्रमाण है।

यह जीत इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि प्रमोद हाल ही में डोपिंग रोधी नियमों के 'वेयरअबाउट्स' उल्लंघन के कारण 18 महीने के निलंबन से लौटे हैं। इस निलंबन की वजह से वह 2024 पेरिस पैरालंपिक में हिस्सा नहीं ले पाए थे, लेकिन वापसी के बाद उन्होंने साबित कर दिया कि कठिन परिस्थितियाँ भी उनके जज्बे को कमजोर नहीं कर सकतीं। फाइनल मुकाबले में प्रमोद ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। पहले गेम में 21-12 की आसान जीत के बाद दूसरे गेम में इमरान ने कुछ संघर्ष किया, लेकिन प्रमोद ने महत्वपूर्ण अंकों पर बेहतरीन नियंत्रण दिखाकर 21-18 से मैच अपने नाम कर लिया। उनकी यह उपलब्धि भारतीय पैरा बैडमिंटन के लिए गर्व का क्षण है और आने वाले खिलाड़ियों के लिए बड़ी प्रेरणा भी।

पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अर्शदीप की जगह कुलदीप को उतारें : गावस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि भारतीय टीम को है कि रविवार को कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप मुकाबले में कुछ बदलावों के साथ उतरना चाहिये। गावस्कर के अनुसार टीम को इस मैच में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जगह चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को अंतिम एकादश में शामिल करना चाहिये। गावस्कर के अनुसार कोलंबो में स्पिनरों को सहायता मिलती है और ऐसे में कुलदीप प्रभावी होंगे। वहीं अर्शदीप लय में नहीं दिखते। नामीबिया के खिताफ मैच में भी उन्होंने काफी रन दिये थे। गावस्कर ने कहा, श्रीलंका की पिचें स्पिनरों के लिए सहायक हैं इसलिए टीम को तीन स्पिनरों के साथ उतरना चाहिये।

ऐसे में कुलदीप के अलावा अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती बेहतर रहेंगे। गावस्कर ने कहा कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच को ध्यान में रखते हुए ही अपनी गेंदबाजी में बदलाव कर सभी को आजमाया। उन्होंने कहा, हार्दिक पंड्या ने पहला ओवर किया जिससे भी तय है कि अर्शदीप को पाकिस्तान को खिलाफ शायद ही अवसर मिले। वहीं स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भी शामिल किया जाना चाहिये। गावस्कर ने कहा, वरुण की सबसे अच्छी बात यह है कि जब भी उसे गेंदबाजी करने के लिए कहा जाता है वह विकेट लेता है। वहीं स्पिनर अक्षर पटेल ने तीन ओवर में दो विकेट लिए जिससे पता चलता है कि वह भी लय में हैं। गावस्कर ने अभिषेक शर्मा के फिट नहीं होने के कारण जगह पारी की शुरुआत कर रहे संजू सैमसन को लेकर भी चिंता जतायी है। गावस्कर ने कहा कि सैमसन की तकनीक में कमी है। वह क्रीज से दूर जाकर खेलने में परेशानी का अनुभव कर रहे हैं। नामीबिया के खिलाफ मैच में वह सजज नजर नहीं आये।

टी20 वर्ल्ड कप: लॉर्कन टकर के तूफान में उडा ओमान, आयरलैंड ने दी 96 रनों से मात

कोलंबो(एजेंसी)। कोलंबो में खेले गए टी20 विश्व कप ग्रुप-बी मुकाबले में आयरलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओमान को 96 रन से हरा दिया। आयरलैंड के कप्तान लॉर्कन टकर ने 51 गेंदों में शानदार 94 रन की विस्फोटक पारी खेलकर टीम को जीत दिलवाई। ओमान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन यह निर्णय उसके लिए बेहद महंगा साबित हुआ। आयरलैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 235 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। यह न सिर्फ आयरलैंड का टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे बड़ा स्कोर है, बल्कि मौजूदा सीजन का भी सर्वोच्च टोटल बन गया। टीम ने श्रीलंका द्वारा इसी सीजन में ओमान के खिलाफ बनाए गए 225 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और टूर्नामेंट इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर दर्ज कर लिया।

आयरलैंड की पारी में ताबड़तोड़ चौकों-छक्कों की बरसात देखने को मिली। टीम ने कुल 21 चौके और 13 छक्के जड़े। कप्तान लोर्कन टकर ने शानदार नेतृत्व करते हुए 51 गेंदों पर नाबाद 94 रनों की धुआंधार पारी खेली। शतक से चूकने के बावजूद उन्होंने 10 चौके और 4 छक्के जड़कर मैच का रुख पूरी तरह अपनी टीम के पक्ष में मोड़ दिया। उनके साथ गैरेथ डेलानी ने 30 गेंदों पर 56 रनों की तेज पारी खेली, जिसमें 3 चौके और 4 छक्के शामिल थे। ओमान की ओर से 38 वर्षीय स्पिनर शकील अहमद ने तीन विकेट झटके और शुरुआती झटके दिए, जबकि आमिर कलीम ने भी एक सफलता हासिल की।

235 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओमान की टीम 18 ओवर में 139 रन पर सिमट गई। आमिर कलीम ने 50 और हमाद मिर्जा ने 46 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज ज्यादा योगदान नहीं दे सके। आयरलैंड के लिए जोश लिटिल ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लिए। मैथ्यू हंफ्रेस और बैरी मैकार्थी को दो-दो सफलताएं मिलीं। इस बड़ी जीत के बावजूद आयरलैंड अंकतालिका में चौथे स्थान पर है, जबकि श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया शीर्ष तीन स्थानों पर बने हुए हैं।

पाकिस्तान के दो स्पिनर टीम इंडिया के लिए बन सकते हैं चुनौती : अजंता मेंडिस

कोलंबो । भारत–पाक मुकाबले से ठीक पहले श्रीलंका के पूर्व स्टार स्पिनर अजंता मेंडिस ने भारतीय टीम को सावधान रहने की सलाह दी है। मैदान के बाहर लंबे विवाद, राजनीतिक बयानबाज़ी और पाकिस्तान सरकार के बायकॉट से यूटर्न के बाद अब 15 फरवरी को कोलंबो में दोनों टीमें अंततः आमने–सामने होंगी। फैंस एक बार फिर भारत–पाक महामुकाबले के रोमांच को महसूस करने के लिए तैयार हैं। हाल ही में खेले गए एशिया कप में टीम इंडिया ने पाकिस्तान पर लगातार तीन जीत दर्ज कर खिताब जीता था। फाइनल समेत तीनों मुकाबलों में भारत ने दमदार प्रदर्शन किया था। इस बार सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को मात देने उतरेगी। हाई–वोल्टेज मैच के लिए टीम इंडिया शुक्रवार को कोलंबो पहुंच चुकी है।

इसी बीच मेंडिस ने संकेत दिया है कि पाकिस्तानी स्पिनर्स भारत के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। पिच की प्रकृति और कोलंबो की परिस्थितियों को देखते हुए पाकिस्तान के दो स्पिनर भारतीय बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं। मेंडिस का मानना है कि यह मुकाबला स्पिनरों पर काफी निर्भर रहने वाला है और भारतीय बल्लेबाजों को शुरुआत से ही सतर्क रहना होगा। हालांकि, इस बड़े मैच पर मौसम का खतरा भी मंडरा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मुकाबले के दौरान बारिश की संभावना है, जो खेल को प्रभावित कर सकती है। बावजूद इसके, फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि मौसम साफ रहे और उन्हें भारत–पाक की एक और यादगार भिड़ंत देखने को मिले।

मोईन अली की बड़ी भविष्यवाणी : भारत–पाकिस्तान मैच में बुमराह और कुलदीप होंगे गेम चेंजर

नई दिल्ली । आईसीसी पुरुष टी–20 विश्व कप को समर्पित 'मिस्टर क्रिकेट यूएई' पॉडकास्ट के दूसरे एपिसोड में इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली ने भारत–पाकिस्तान मुकाबले को लेकर कई अहम भविष्यवाणियां कीं। मोईन ने साफ कहा कि भारत के लिए इस हाई–वोल्टेज मैच में सबसे बड़े मैच–विनर जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव होंगे। उन्होंने कोलंबो स्थित आर. प्रेमदाया स्टेडियम की पिच को स्पिनरों के लिए मददगार बताया, हालांकि उम्मीद जताई कि बड़े मुकाबले को देखते हुए एक संतुलित विकेट तैयार किया जा सकता है। मोईन अली ने कहा कि बल्लेबाजी में सूर्यकुमार यादव पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा खतरा साबित हो सकते हैं। उनके अनुसार, सूर्यकुमार के पास मैच का रुख कुछ ही ओवरों में बदल देने की क्षमता है। वहीं गेंदबाजी में बुमराह और कुलदीप दोनों किसी भी परिस्थिति में मैच जीताने वाले

खिलाड़ी हैं। पाकिस्तान टीम संयोजन पर भी मोईन ने खुलकर राय रखते हुए कहा कि टीम को हर हाल में फखर जमान को शामिल करना चाहिए, चाहे इसके लिए बाबर आजम को बाहर ही क्यों न बैठना पड़े। गेंदबाजी में उन्होंने शाहीन अफरीदी और अबरार अहमद को भारत के लिए महत्वपूर्ण खतरा बताया, खासकर अबरार की विविधता भारतीय बल्लेबाजों की परीक्षा ले सकती है। मोईन अली ने अपने चार संभावित सेमीफाइनलिस्ट भी बताए भारत, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और पाकिस्तान। इतना ही नहीं, उन्होंने फाइनल की संभावित भिड़ंत भारत बनाम पाकिस्तान के रूप में देखी। हालांकि मैच के नतीजे पर उन्होंने एक दिलचस्प बयान दिया- फ्रआमतौर पर भारत पाकिस्तान को हरा देता है, लेकिन इस बार मेरा दिल कहता है कि पाकिस्तान जीत सकता है।'

पाक कप्तान ने बताया उस्मान तारिक को ट्रंप कार्ड

– भारत–पाकिस्तान भिड़ंत से पहले के एक्शन पर विवाद जारी

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप 2026 का सबसे रोमांचक और हाई वोल्टेज मुकाबला रविवार को कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम इंडिया मैच के लिए कोलंबो पहुंच चुकी है, वहीं पड़ोसी मुल्क की टीम भी अपनी तैयारियों में पूरी ताकत झोंक रही है। इस महामुकाबले से पहले पाकिस्तान द्वारा मैच को बॉयकॉट करने की चेतावनी और फिर खेलने के फैसले के बाद काफी विवाद खड़ा हुआ था, लेकिन अब नया मुद्दा स्पिनर उस्मान तारिक के गेंदबाजी एक्शन को लेकर उठ रहा है, जो थमने का नाम नहीं ले रहा।

भारत-पाक मैच से ठीक पहले पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने स्पिनर का मजबूती से बचाव किया। उन्होंने कहा कि टीम को उस्मान तारिक के एक्शन पर उठ रही चर्चाओं से कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि वह पहले ही दो बार जांच में पूरी तरह क्लियर हो चुके हैं। सलमान अली आगा ने उन्हें टीम का ट्रंप कार्ड बताते हुए कहा कि वह अकेले दम पर मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं।

कप्तान ने साफ शब्दों में कहा, 'उस्मान तारिक हमारे लिए ट्रंप कार्ड हैं। उनके बॉलिंग एक्शन पर हो रही चर्चाओं की हमें कोई परवाह नहीं है। उनका एक्शन दो बार क्लीन चिट पा चुका है, इसलिए इस मुद्दे पर सवाल उठाना समझ से परे है।' कप्तान के इस बयान से साफ है कि पाकिस्तान टीम अपने स्पिनर पर काफी भरोसा जताती है और वे भारत के खिलाफ इस अहम मैच में उन पर बड़ी जिम्मेदारी डालने की तैयारी में हैं। दूसरी ओर, दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें इस ब्लॉकबस्टर मुकाबले पर टिकी हुई हैं। कोलंबो का प्रेमदासा स्टेडियम रविवार को एक बार फिर दोनों चिर-प्रतिद्वंद्वी टीमों की ऐतिहासिक भिड़ंत का गवाह बनेगा। दोनों

टीमों के बीच मैदान पर उतरते ही रोमांच अपने चरम पर पहुंचना तय है।

आईपीएल के नये सत्र मे पराग की कप्तानी में उतरेगी रॉयल्स

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 सत्र में राजस्थान रॉयल्स की टीम युवा ऑलराउंडर रियान पराग की कप्तानी में उतरेगी। पराग ने पिछले सत्र में भी कई मैचों में कप्तानी की थी। ऐसे में वह इसबार कप्तानी के प्रबल दावेदार थे। वहीं पिछले सत्र में कप्तान रहे संजू सैमसन इस बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से खेलेंगे। सैमसन के जाने के बाद टीम प्रबंधन ने भविष्य की योजनाओं को देखते हुए पराग पर भरोस जताया है। राजस्थान रॉयल्स में सैमसन एक दशक से शामिल थे । वह एक युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज़ से टीम के कप्तान बने थे पर पिछले सत्र में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। इसके बाद वह फिटनेस की परेशानी से भी जूझ रहे थे। पिछले सत्र में 14 मुकाबलों में टीम को केवल चार में जीत मिली थी और वह अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। इस सत्र के बाद ही सैमसन और टीम प्रबंधन में मतभेद आ गये थे और तभी से पता चल गया था कि वह बदलाव के लिए तैयार हैं।इसके बाद सैमसन सीएसके में चले गये। अब वह सीएसके में महेन्द्र सिंह धोनी जैसे दिग्गज के साथ टीम में खेलते दिखेंगे।

पराग को कप्तानी एकदम नहीं दी गयी बल्कि पिछले सीज़न में जब भी सैमसन चोट के कारण बाहर थे, तब पराग को कप्तान के तौर पर अवसर दिये गये ताकि वह कमान संभालने के लिए तैयार रहें। उन्होंने आठ मैचों में टीम की कप्तानी की थी। उन मुकाबलों में टीम को केवल दो में ही जीत मिलीं पर पराग के आंकड़े अच्छे रहे। । उन्होंने 38.57 की औसत से रन बनाए और कई अच्छी पारियां खेलीं। इससे उनकी बल्लेबाजी में परिपक्वता और दबाव को झेलने की क्षमता दिखी। वहीं पराग का मानना है कि कप्तानी सिर्फ मैदान पर फैसले लेने का नाम नहीं, बल्कि मानसिक रूप से तेज और रणनीतिक रूप से सजग रहने का खेल है। टीम संयोजन चाहे जैसा भी हो, वह जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं।साल 2025 के अंत में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के पद छोड़ने के बाद रायल्स की मुश्किलें बढ़ गयी थीं और ऐसे में देखना होगा कि नये कप्तान के तौर पर पराग कितने सफल रहते हैं।

दोनों मैच जीतने के बावजूद खुश नहीं हैं कप्तान मार्करम, कहा– सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं हुआ

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप–डी की शुरुआत में ही साउथ अफ्रीका ने अपने दोनों मैच जीतकर चार अंक बटोर लिए हैं और न्यूजीलैंड के बाद दूसरे स्थान पर काबिज है। लेकिन टीम के कप्तान एडन मार्करम का कहना है कि टीम अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हालांकि परिणाम सकारात्मक रहे हैं, टीम का फोकस अपनी पूरी क्षमता पर खेलना और लगातार सुधार करना है। मार्करम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अगले मुकाबले से पहले कहा कि कीवी कोच रोब वाल्टर उनकी टीम की ताकत और कमजोरियों से पूरी तरह परिचित हैं। वाल्टर पहले कई दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों के साथ काम कर चुके हैं, इसलिए उन्हें पता है कि टीम किस स्थिति में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकती है और कहां कमजोर पड़ सकती है। मारक्रम ने माना कि यह एक चुनौतीपूर्ण मुकाबला होगा, लेकिन टीम मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार है। कप्तान ने गेंदबाजी की स्थिति पर भी चिंता जताई। पिछले दो मैचों में उनके गेंदबाजों ने 22 अतिरिक्त रन दिए, जो टी20 प्रारूप में काफी महत्वपूर्ण हो सकते हैं। मार्करम का कहना है कि टीम इन फालतू रनों को कम करने पर विशेष ध्यान दे रही है और हर गेंदबाज को अपनी ताकत और शैली के अनुसार खेलना होगा। उन्होंने अहमदाबाद में रात की रोशनी में टीम संयोजन पर भी संकेत दिया कि स्पिन और तेज गेंदबाजी का संतुलन बनाए रखा जाएगा, ताकि पिच और परिस्थितियों का अधिकतम फायदा उठाया जा सके। सुपर–8 में जगह बनाने के लिए साउथ अफ्रीका का अगला मुकाबला टेबल टॉपर न्यूजीलैंड से है। न्यूजीलैंड ने अपने शुरुआती दोनों मैच जीतकर उत्साह बढ़ाया है। कीवी टीम ने पहले मैच में अफगानिस्तान को मात दी थी और दूसरे मैच में यूएई को 10 विकेट से हराया। ऐसे में यह मुकाबला केवल अंक तालिका के लिए ही नहीं, बल्कि टीम की मानसिक मजबूती और प्रदर्शन की वास्तविक परीक्षा भी साबित होगा। मार्करम ने जोर देकर कहा कि टीम का ध्यान केवल परिणाम पर नहीं, बल्कि लगातार सुधार पर है। यदि साउथ अफ्रीका न्यूजीलैंड को मात देने में सफल होता है, तो लगातार तीसरी जीत के साथ उसकी सुपर–8 में जगह पक्की हो जाएगी। लेकिन मैच चुनौतीपूर्ण होगा, क्योंकि कीवी टीम भी जीत के इरादे से उतरेगी। टी20 प्रारूप की अनिश्चितताओं को देखते हुए यह मुकाबला दर्शकों और फैंस के लिए बेहद रोमांचक होने वाला है। साउथ अफ्रीका की टीम फिलहाल मानसिक और तकनीकी तैयारी के साथ मैदान में उतरेगी, और मारक्रम के अनुसार, उनका लक्ष्य केवल जीत हासिल करना नहीं, बल्कि प्रत्येक गेंद पर अपनी पूरी क्षमता दिखाना है।

अतीत में अपने व्यवहार की वजह से नुकसान उठाना पड़ा : ईशान किशन

– बदला रवैया बना फैंस और टीम के लिए बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने नामीबिया के खिलाफ धमाकेदार पारी खेलकर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई और अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने केवल 24 गेंदों में 61 रन बनाए, जिसमें जेजे स्मिट के एक ही ओवर में चार छक्के शामिल थे। भारत ने पावरप्ले में एक विकेट के नुकसान पर 86 रन बना लिए, जो टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत का पावरप्ले में सर्वोच्च स्कोर साबित हुआ। अभिषेक शर्मा की अनुपस्थिति में किशन की यह पारी और भी अहम रही।

मुकाबले के बाद किशन ने अपने बदलावों और परिपक्वता पर खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि अतीत में उनके व्यवहार की वजह से उन्हें नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन अब उन्होंने अपने रवैये और खेल पर पूरा ध्यान देना शुरू कर दिया है। केंद्रीय अनुबंध से बाहर होने के बाद उन्होंने अपने आचरण में बदलाव किया और अब अधिकांश समय बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग पर फोकस करते हैं। किशन ने बताया कि वह केवल कुछ घंटे हल्के मूड में रहते हैं, बाकी समय पूरी निष्ठा से अपने खेल पर काम करते हैं।

किशन ने यह भी बताया कि अब वह जल्दबाजी से बचने की कोशिश कर रहे हैं और एक-दो रन लेने पर उतना ही ध्यान देते हैं जितना बड़े शॉट खेलने पर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई बार खिलाड़ी उत्साह में गलत शॉट खेल बैठते हैं, लेकिन किशन खुद को शांत रखने और गेंद पर नजर जमाए रखने की रणनीति अपनाते हैं। इस पारी ने न सिर्फ किशन की टीम में अहम भूमिका को मजबूत किया, बल्कि भारतीय शीर्ष क्रम के लिए भी बड़ी राहत दी। उनकी बल्लेबाजी में आई परिपक्वता और विकेटकीपिंग में निरंतरता उन्हें टीम का भरोसेमंद सदस्य बनाती है। आगामी मुकाबलों में किशन की यह फॉर्म भारत के अभियान की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है और टीम को ग्रुप स्टेज में मजबूत स्थिति दिला सकती है।

एम चिन्नास्वामी में अनिल कुंबले, राहुल द्रविड़ और शांता रंगास्वामी के नाम पर स्टैंड बने

नई दिल्ली । एम चिन्नास्वामी स्टेडियम ने भारतीय क्रिकेट के तीन दिग्गजों को सम्मानित किया है। इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु के गढ़ माने जाने वाले इस स्टेडियम में कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज खिलाड़ियों अनिल कुबले और राहुल द्रविड के नाम पर स्टैंड का उद्घाटन किया। इस सम्मान के जरिए भारतीय और कर्नाटक क्रिकेट में उनके द्वारा किए गए असाधारण योगदान को याद किया गया। अनिल कुंबले, जो टेस्ट और वनडे दोनों में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं और जून 2016 से जून 2017 तक भारत के मुख्य कोच भी रह चुके हैं, ने कहा, 'यह सिर्फ नाम का सम्मान नहीं है, बल्कि कर्नाटक क्रिकेट में हम सभी के योगदान को पहचानने का अवसर है। हमारे प्रयास आज के कर्नाटक क्रिकेट को आकार देने में अहम रहे हैं।' वहीं राहुल द्रविड़, टेस्ट क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे सबसे बड़े रन बनाने वाले बल्लेबाज और 2024 में भारत को टी20 वर्ल्ड कप जीताने वाले कोच, इस मौके पर कुंबले के साथ मौजूद रहे। कुंबले ने यह भी खुशी जताई कि पूर्व महिला कप्तान शांता रंगास्वामी के नाम पर भी स्टैंड बनाए गए हैं। शांता रंगास्वामी भारतीय महिला क्रिकेट की पहली टेस्ट शतक लगाने वाली खिलाड़ी हैं और 1976 से 1991 तक 16 टेस्ट और 19 वनडे में 1,037 रन बनाने का रिकॉर्ड उनके नाम है। उन्होंने एक शतक और सात अर्धशतक भी बनाए। पिछले अक्टूबर में उन्हें भारतीय क्रिकेटर्स एसोसिएशन (आईसीए) का अध्यक्ष चुना गया था।

संक्षिप्त समाचार

एपस्टीन मामले में नॉर्वे के पूर्व पीएम के घर पर छापा

नॉर्वे , एजेंसी। कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के साथ संबंधों की जांच के सिलसिले में नॉर्वे की पुलिस ने बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री थोरबजोर्न जगलैंड के घरों की तलाशी ली। नॉर्वे में आर्थिक अपराधों के मामले में जांच करने वाली राष्ट्रीय एजेंसी ओकोक्रिम ने जगलैंड के ओस्लो स्थित आवास और अन्य संपत्तियों पर यह छापे मारे। एक दिन पहले ही काउंसिल ऑफ यूरोप ने उनकी राजनयिक छूट हटाई थी। जगलैंड पर गंभीर भ्रष्टाचार के भी आरोप हैं। जगलैंड नॉर्वे के विदेश मंत्री और नोबेल शांति पुरस्कार समिति के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उनके वकील एंडर्स ब्रोसवीत ने कहा कि यह जांच का एक सामान्य हिस्सा है। जगलैंड ने इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि वे चाहते हैं कि इस मामले में स्थिति स्पष्ट हो।

पाकिस्तान का चीन से पृथ्वी अवलोकन उपग्रह लॉन्च

बीजिंग, एजेंसी। पाकिस्तान ने चीन के यांगजियांग सीशोर प्रक्षेपण केंद्र से अपने दूसरे स्वदेशी पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओ–2 का बृहस्पतिवार को प्रक्षेपण किया। यह उपग्रह देश की पृथ्वी अवलोकन व उच्च–रिजॉल्यूशन इमेजिंग क्षमताएं बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। यह उपग्रह राष्ट्रीय विकास योजना, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पर्यावरण निगरानी और शहरी विस्तार में सहयोग देने के लिए डाटा प्रदान करेगा, जो रणनीतिक निर्णय लेने की क्षमता मजबूत करेगा।

लोगों का सोशल मीडिया का क्लीनिकल आदी होना संभव नहीं : इंस्टाग्राम प्रमुख

वाशिंगटन, एजेंसी। मेटा व गूगल के स्वामित्व वाले इंस्टाग्राम–गूगल पर चल रहे एक ऐतिहासिक मुकदमे में इंस्टाग्राम प्रमुख एडम मोसेरी ने सोशल मीडिया से जुड़े एक मामले में गवाही दी। वह बोले, इस विचार से सहमत नहीं हुआ जा सकता कि लोग सोशल मीडिया मंचों के क्लीनिकल आदी हो सकते हैं। यह केस उन आरोपों पर आधारित है जिनमें वादियों ने सोशल मीडिया मंचों का उपयोग करने वाले बच्चों को हुई क्षति के लिए कंपनियों को जिम्मेदार ठहराने की मांग की है। मोसेरी ने कहा, क्लीनिकल आदी होने और समस्या पैदा करने वाले उपयोग के बीच अंतर करना जरूरी है। वह बोले, क्लीनिकल एडिक्शन ऐसी लत है जिसे मेडिकली एक मानसिक विकार कहा जाता है। मोसेरी ने कहा, मैं चिकित्सा विशेषज्ञ होने का दावा नहीं कर रहा, लेकिन उनके बहुत करीबी को गंभीर क्लीनिकल लत का अनुभव हुआ है, इसलिए अपने शब्दों को लेकर सावधानी रखता हूं। उन्होंने कहा, मैं और मेरे सहयोगी समस्या पैदा करने वाले शब्द का उपयोग उस स्थिति के लिए करते हैं, जब कोई इंस्टाग्राम पर उतना अधिक समय बिताता है, जितना वह खुद उचित नहीं मानता। वह बोले, हम अधिकतम सुरक्षा का प्रयास करते हैं, लेकिन न्यूनतम सेंसरशिप भी रखना चाहते हैं।

ट्रंप मानहानि मामले में कोर्ट ने खारिज की बीबीसी की याचिका

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मानहानि मामले में अमेरिकी की एक अदालत ने बीबीसी की याचिका खारिज कर दी है। बीबीसी ने 10 अरब डॉलर के मुकदमे में जांच प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की थी। यह मुकदमा बीबीसी की ओर से एक भाषण के संपादन को लेकर दायर किया गया है, जिसमें ऐसा प्रतीत होता है कि ट्रंप ने समर्थकों को अमेरिकी कैपिटल भवन पर धावा बोलने का निर्देश दिया था। ट्रंप ने ब्रिटेन के सार्वजनिक स्वामित्व वाले प्रसारक पर 6 जनवरी, 2021 के भाषण के कुछ हिस्सों को जोड़कर उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाया है। फ्लोरिडा के दक्षिणी जिले के लिए संयुक्त राज्य जिला अदालत के जज रॉय ऑल्टमैन ने बुधवार को कहा, बीबीसी का आवेदन समय से पूर्व प्राप्त हुआ है। इसमें उसने यह बताने की कोशिश भी नहीं की कि स्थगन न मिलने पर उसे क्या नुकसान होगा।

पाकिस्तानी सेना के पूर्व चीफ बाजवा आईसीयू में भर्ती ; फिसलकर गिरे, सिर में लगी गंभीर चोट

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल कमर जावेद बाजवा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वो घर में फिसलकर गिर गए थे और उन्हें काफी चोट आई थी। पाकिस्तान के प्रमुख मीडिया हाउस डॉन ने बताया कि बाजवा अपने घर में फिसल गए थे और काफी चोट आई थी। उन्हें इलाज के लिए कंबाइंड मिलिट्री हॉस्पिटल (सीएमएच) ले जाया गया और बताया जा रहा है कि फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। पाकिस्तानी सेना के पूर्व अध्यक्ष को अस्पताल के इंटेंसिव केयर यूनिट में भर्ती कराया गया। हालांकि उनकी चोटें कितनी गहरी हैं इसको लेकर कुछ स्पष्ट नहीं किया गया है।

बांग्लादेश की राजनीति का नया चेहरा तारिक रहमान: मां पूर्व पीएम तो पिता पूर्व राष्ट्रपति

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के 2026 के आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की ऐतिहासिक जीत में तारिक रहमान की रणनीतिक और करिश्माई भूमिका ने केंद्रबिंदु की तरह काम किया। लंबे निर्वासन और राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने पार्टी को एकजुट किया, युवा मतदाताओं को आकर्षित किया और जनसमर्थन की नई लहर खड़ी की। यह जीत सिर्फ बीएनपी की नहीं, बल्कि तारिक रहमान की नेतृत्व क्षमता और राजनीतिक दृष्टि का प्रतीक बनकर उभरी है। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि बांग्लादेश की राजनीति दशकों से दो मुख्य पारिवारिक-राजनीतिक धारणाओं के बीच घूमती रही है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत खालिदा जिया की विरासत के बीच। ऐसे में 2026 के चुनावों में बीएनपी की जीत और तारिक रहमान की उभरती भूमिका यह संकेत देती है कि अब देश का नेतृत्व एक नए राजनीतिक दौर में प्रवेश कर सकता है।

पहले तारिक रहमान के बारे में जानिए : 20 नवंबर 1965 को जन्मे तारिक रहमान बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेता और पार्टी के चेयरमैन हैं। वह पार्टी की सर्वोच्च राजनीतिक इकाई का नेतृत्व करते हैं। उन्होंने ढाका यूनिवर्सिटी से शिक्षा प्राप्त की और राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाना शुरू किया। वे बांग्लादेश के इतिहास में एक राजनीतिक परिवार से आते हैं। उनके पिता जिया उर रहमान बांग्लादेश के राष्ट्रपति और स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे, जिनकी 1981 में हत्या हो गई थी। उनकी मां बेगम खालिदा जिया 1991 से 1996 व 2001 से 2006 तक बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री रहीं और बीएनपी की प्रमुख चेयरपर्सन थीं। अपने राजनीतिक जीवन के शुरुआती दिनों से ही तारिक अपने परिवार की राजनीति में शामिल रहे हैं और बीएनपी के भीतर स्थायी भूमिका निभाई है।

अब तारिक रहमान की मां खालिदा जिया के बारे में जानिए : तारिक रहमान की मां और बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने 3 जनवरी 1982 को पहली बार बीएनपी के सदस्य के तौर पर अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की। बाद में वे बीएनसपी की अध्यक्ष बनीं और अपनी मौत तक वह इस पद पर रहीं। बांग्लादेश में सैन्य शासन के खिलाफ खालिदा जिया एक प्रमुख आवाज बनकर उभरीं। लोगों को सैन्य शासन के खिलाफ एकजुट करने में खालिदा जिया ने अहम भूमिका निभाई।

जिया 1991 में पहली बार बनीं पीएम : खालिदा जिया साल 1991 में पहली बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनीं। इसके साथ ही बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने का गौरव भी हासिल किया। इसके बाद साल 2001 से 2006 तक दूसरी बार भी बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनीं। बताते चले कि खालिदा जिया का जन्म 15 अगस्त 1946 को अविभाजित भारत के दिनाजपुर जिले में हुआ। उनकी माता का नाम तैयबा और पिता का नाम इसकंदर मजूमदार था। खालिदा का परिवार जलपाईगुड़ी में चाय का व्यापार करता था और वहां से पलायन करके दिनाजपुर पहुंचा था। साल 1960 में खालिदा जिया की शादी आर्मी कैप्टन जिया उर रहमान के साथ हुई, जो बाद में बांग्लादेश के राष्ट्रपति बने। साल 1983 में जब खालिदा बीएनपी चीफ बनीं तो उनकी पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने खालिदा की काबिलियत पर शक जताते हुए पार्टी छोड़ दी।

तारिक रहमान के पिता और पूर्व बांग्लादेशी राष्ट्रपति : अब तारिक रहमान के पिता के बारे में जानते हैं। तारिक रहमान के पिता जिया उर रहमान ने बांग्लादेश के स्वतंत्रता सेनानी और देश के सैनिक-राजनीतिक नेता थे। वे 1975 में सैनिक हस्तक्षेप के बाद सत्ता में आए और 1977 से 1981 तक बांग्लादेश के राष्ट्रपति रहे। उन्होंने बीएनपी की स्थापना की और लोकतांत्रिक बहुदलीय राजनीति को मजबूती दी। 1981 में उनकी हत्या हुई, लेकिन उनकी राजनीतिक विरासत आज भी बीएनपी और देश की राजनीति में जीवित है।

तारिक रहमान की पत्नी जुबैदा कौन हैं : जुबैदा रहमान तारिक रहमान की पत्नी हैं और पेशे से चिकित्सक। वे अपने पति के राजनीतिक जीवन में समर्थक और साथ देने वाली भूमिका निभाती रही हैं। चुनावी अभियानों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में अक्सर उनके साथ नजर आती हैं। निजी जीवन में परिवार और सामाजिक जिम्मेदारियों में सक्रिय रहते हुए वे बीएनपी के भीतर तारिक की छवि को मजबूत करती हैं। अब बात अगर तारिक रहमान की बेटी के बारे में करें तो जाइमा रहमान तारिक रहमान की बेटी हैं। वे राजनीतिक जीवन में अपने पिता के साथ दिखाई देती हैं, विशेषकर चुनावी अभियानों और सामाजिक कार्यक्रमों में। हालांकि वे सार्वजनिक राजनीति में अभी पूरी तरह सक्रिय नहीं हैं, लेकिन युवा समर्थकों और परिवारिक दृष्टि से उनकी उपस्थिति ने बीएनपी के प्रचार और छवि को और व्यापक बनाया है। अच्छा इन सभी चिजों के बीच एक दिलचस्प बात ये है कि तारिक रहमान के साथ उनकी पारिवारिक पालतू बिल्ली जेबू भी खूब सुर्खियों में रही है। वह लंदन से ढाका लौटने के दौरान उनके साथ आई। भारतीय पर्यवेक्षकों का मानना है कि इस तथ्य के बावजूद कि बेगम खालिदा जिया के दो कार्यकाल के दौरान बीएनपी ने बंगलादेश ने कट्टरपंथी इस्लामवादी समूहों और पाकिस्तान समर्थक रुख अपनाया था।

यह जानबूझकर की गई क्रूरता है : पिता इमरान खान की आंखों की रोशनी खोने की खबर पर बेटे कासिम का फूटा गुस्सा

इस्लामाबाद/लंदन, एजेंसी। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। खान के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि इमरान खान की दाईं आंख की रोशनी केवल 15 प्रतिशत बची है। इस खबर के सामने आते ही उनके बेटे कासिम खान ने पाकिस्तान की सरकार और सैन्य नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वकीलों का दावा : जेल प्रशासन की लापरवाही इमरान खान के वकीलों के अनुसार, खान को पिछले तीन-चार महीनों से धुंधला दिखाई देने की शिकायत थी।

अपर्याप्त इलाज : जेल अधीक्षक को इस समस्या के बारे में बार-बार बताया गया, लेकिन कथित तौर पर उन्हें केवल 'आई ड्रॉप्स' देकर टाल दिया गया।

गंभीर स्थिति : समय पर विशेषज्ञ डॉक्टर को न दिखाने के कारण उनकी आंख की स्थिति इतनी बिगड़ गई कि अब रोशनी नाममात्र रह गई है।

बेटे कासिम खान का 'एक्स' पर हमला : लंदन में रह रहे इमरान खान के बेटे कासिम खान (ब्रिटिश नागरिक) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ' पर अपना दर्द

और आक्रोश साझा किया। उन्होंने इसे 'जानबूझकर की गई लापरवाही' करार दिया। 'इस गंभीर स्थिति की सीधी जिम्मेदारी वर्तमान सरकार, सेना प्रमुख और इस क्रूरता को मुमकिन बनाने वाले लोगों पर है। यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि जेल में उचित इलाज न देने का जानबूझकर लिया गया फैसला है।' – कासिम खान कासिम ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें और उनके भाई को अपने पिता से मिलने के लिए वीजा नहीं दिया जा रहा है, जिससे वे अपने पिता की सेहत का हाल जानने के लिए पाकिस्तान नहीं जा पा रहे हैं।

राजनीतिक तनाव बढ़ने के आसार : अगस्त 2023 से जेल में बंद इमरान खान के स्वास्थ्य से जुड़ी इस रिपोर्ट ने उनकी पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के कार्यकर्ताओं में भारी रोष पैदा कर दिया है। मानव अधिकार संगठनों ने भी जेल में बंद कैदियों के चिकित्सा अधिकारों को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं।

ट्रंप ने 2009 के जलवायु संबंधी फैसले को किया रद्द, ओबामा ने की आलोचना

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साल 2009 में किए गए एक महत्वपूर्ण जलवायु संबंधी फैसले को रद्द करने की घोषणा की है। यही फैसला अब तक अमेरिका में जलवायु नियमों की कानूनी बुनियाद माना जाता था। इसी के आधार पर मोटर वाहनों से निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसों पर नियम बनाए गए थे और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की नीतियां लागू की गई थीं। ट्रंप ने यह घोषणा व्हाइट हाउस में अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के प्रमुख ली जेल्डिन के साथ की। उन्होंने इसे 'अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ी डीरेगुलेटरी कार्रवाई' बताया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने कहा कि वे तथाकथित 'एंडेंजरमेंट फाइंडिंग' को खत्म कर रहे हैं। उनके अनुसार यह ओबामा शासनकाल की एक खराब नीति थी, जिसने अमेरिकी ऑटो उद्योग को नुकसान पहुंचाया और उपभोक्ताओं के लिए वाहनों की कीमतें बढ़ा दीं। साल 2009 में की गई इस 'ग्रीनहाउस गैस एंडेंजरमेंट फाइंडिंग' में कहा गया था कि कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और चार अन्य ग्रीनहाउस गैसें लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए खतरा हैं। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने बताया कि इसका इस्तेमाल गाड़ियों के एमिशन स्टैंडर्ड और फॉसिल फ्यूल कंपनियों के लिए अपने एमिशन की रिपोर्ट करने की जरूरतों जैसे रेगुलेशन को सही ठहराने के लिए किया गया है। ट्रंप ने कहा कि यह फैसला न तो तथ्यों पर आधारित था और न ही कानून पर। उनका कहना है कि जीवाश्म ईंधन ने पीढ़ियों तक लाखों लोगों की जान बचाई है और दुनिया भर में अरबों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में मदद की है। वहीं, पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यही फैसला वाहनों के धुएं और बिजली संयंत्रों से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण का आधार था। उन्होंने कहा कि इसे खत्म करने से लोग कम सुरक्षित और कम स्वस्थ होंगे तथा जलवायु परिवर्तन से लड़ना और कठिन हो जाएगा। उनका कहना है कि ऐसा केवल जीवाश्म ईंधन उद्योग को अधिक लाभ पहुंचाने के लिए किया जा रहा है।

नीदरलैंड की प्रमुख टेलीकॉम कंपनी हुई हैक: 60 लाख ग्राहकों के बैंक-पासपोर्ट का डाटा चोरी

एम्सटर्डैम, एजेंसी। नीदरलैंड की प्रमुख टेलीकॉम कंपनी ओडिडो पर साइबर हमलावरों ने बड़ा हमला बोल दिया है। कंपनी ने खुद माना कि हैकर्स ने उसके सिस्टम में घुसकर 60 लाख से ज्यादा ग्राहकों का निजी डेटा चुरा लिया। यह डेटा बहुत संवेदनशील है। इसमें लोगों के बैंक खाते की जानकारी और पासपोर्ट नंबर जैसी चीजें शामिल हैं। यह नीदरलैंड में अब तक का सबसे बड़ा डेटा लीक मामला बन गया है। कंपनी ने ग्राहकों को चेतावनी भेजी है और जांच शुरू कर दी है। ओडिडो ने सात फरवरी को संदेह होने पर जांच शुरू की। कंपनी ने अपने अंदरूनी विशेषज्ञों और बाहर के एक्सपर्ट्स की मदद ली। जांच में पता चला कि हैकर्स ने कंपनी के उस सिस्टम पर हमला किया जिससे ग्राहकों से संपर्क किया जाता है। कंपनी ने

तुरंत अनधिकृत पहुंच रोक दी। अब कंपनी का कहना है कि फोन और इंटरनेट इस्तेमाल करना पूरी तरह सुरक्षित है। प्रभावित ग्राहकों को ईमेल भेजकर सूचित किया गया है कि उनका डेटा प्रभावित हो सकता है।

कंपनी की कार्रवाई : ओडिडो ने इस घटना की सूचना नीदरलैंड की प्राइवेसी और डेटा प्रोटेक्शन संस्था एपी को दे दी है। कंपनी ने कहा है कि वह पूरी जांच कर रही है और ग्राहकों की सुरक्षा के लिए हर कदम उठा रही है। कंपनी ने ग्राहकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और कोई संदिग्ध ईमेल या मैसेज पर ध्यान न दें। ओडिडो ने यह भी बताया कि हमले के बाद सिस्टम को सुरक्षित कर लिया गया है।

कंपनी के बारे में : ओडिडो पहले टी-मोबाइल का डच बिजनेस था। 2021 में इसे प्राइवेट इक्विटी फर्म्स अपैक्स और वॉरबर्ग पिंकस ने खरीद लिया था। कंपनी नीदरलैंड में करीब 80 लाख ग्राहकों को सेवा देती है। वहां के बाजार में यह केपीएन और वोडाफोनजिग्गो जैसी बड़ी कंपनियों से मुकाबला करती है। यह हमला कंपनी की छवि पर बड़ा असर डाल सकता है। यह हमला दिखाता है कि साइबर खतरा कितना बड़ा है। ग्राहकों को अपने बैंक खातों पर नजर रखनी चाहिए। पासवर्ड बदलने चाहिए और दो-कारक प्रमाणीकरण चालू करना चाहिए। कंपनी ने कहा है कि वह प्रभावित लोगों की मदद के लिए कदम उठा रही है। नीदरलैंड की सरकार और प्राइवेसी वॉचडॉग इस मामले की गहराई से जांच कर रहे हैं। ऐसे हमलों से बचने के लिए हर कोई सतर्क रहना जरूरी है।

अमेरिका में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम 47 फीसदी अधिक, विशेषज्ञों ने चेताया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में रोजमर्रा की डाइट का बड़ा हिस्सा बन चुके अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स अब सीधे तौर पर दिल की बीमारियों से जुड़े पाए गए हैं। फ्लोरिडा अटलांटिक यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर पाया है कि जो वयस्क सबसे ज्यादा अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ खाते हैं, उनमें हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा 47% तक अधिक है। उम्र, धूम्रपान और आय जैसे कारकों को समायोजित करने के बाद भी यह जोखिम बना रहा।

क्या होते हैं अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स : अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स ऐसे औद्योगिक उत्पाद होते हैं जिनमें अतिरिक्त वसा, चीनी, स्टार्च, नमक और इमल्सीफायर जैसे रासायनिक एडिटिव्स मिलाए जाते हैं। सोडा, पैकेज्ड स्नैक्स और प्रोसेस्ड मीट इसके आम उदाहरण हैं। निर्माण के दौरान इनमें कई प्राकृतिक पोषक तत्व हटा दिए जाते हैं, जिससे ये अपने मूल स्वरूप से काफी अलग हो जाते हैं। इनमें ऐसे तत्व भी शामिल होते हैं जिनका मानव शरीर को ऐतिहासिक रूप से अनुभव नहीं रहा है। आज स्थिति यह है कि अमेरिका में औसतन वयस्कों की लगभग 60% कैलोरी और बच्चों की करीब 70% कैलोरी अल्ट्रा-प्रोसेस्ड भोजन से आती है। अमेरिका ही नहीं दुनिया के तमाम देशों में अल्ट्रा प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों की खपत बढ़ती जा रही है। पिछले अध्ययनों में यह दिखाया जा चुका है कि ज्यादा अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड खाने वालों में मेटाबॉलिक सिंड्रोम का खतरा बढ़ जाता है, जिसमें मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर, असामान्य कोलेस्ट्रॉल स्तर और इंसुलिन रेजिस्टेंस शामिल हैं।

तंबाकू जैसी चुनौती बन सकता है आधुनिक भोजन : शोधकर्ताओं का कहना है कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड से जुड़े स्वास्थ्य खतरों की पहचान उसी तरह समय ले सकती है, जैसे पिछली सदी में तंबाकू के नुकसान समझने में लगा था। इसका एक कारण बड़े बहुराष्ट्रीय खाद्य निगमों का प्रभाव भी है, जो वैश्विक फूड मार्केट पर हावी हैं। साथ ही, कई समुदायों में स्वस्थ भोजन तक सीमित पहुंच भी एक बड़ी बाधा बनी हुई है।हेनेकन्स के अनुसार, अल्ट्रा- प्रोसेस्ड फूड से निपटना सिर्फ व्यक्तिगत पसंद का मामला नहीं है। यह ऐसे वातावरण बनाने की बात है जहां स्वस्थ विकल्प सबसे आसान विकल्प हों। क्लिनिकल गाइडेंस और सार्वजनिक स्वास्थ्य शिक्षा जरूरी है ताकि पौष्टिक भोजन हर किसी के लिए सुलभ और किफायती हो सके। शोधकर्ताओं ने कोलोरेक्टल कैंसर के बढ़ते मामलों की ओर भी ध्यान दिलाया है, खासकर युवा वयस्कों में। इस कैंसर के कई जोखिम कारक कार्डियोवैस्कुलर डिजीज से मेल खाते हैं, जिनमें डाइट पैटर्न प्रमुख है। एफएयू श्मिट कॉलेज ऑफ मेडिसिन के प्रोफेसर और चेयर एलिसन एच. फेरिस ने कहा, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड की बढ़ती खपत इसके लिए एक योगदानकर्ता हो सकती है।

क्या उत्तर कोरिया में बदलेगी सत्ता: किम जोंग की बेटी होंगी नई तानाशाह?

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया की सत्ता में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस ने खुलासा किया है कि तानाशाह किम जोंग उन अपनी बेटी किम जू ऐ उत्तराधिकारी के रूप में नामित करने की प्रक्रिया में काफी आगे बढ़ चुके हैं। गुरुवार को संसद की एक बंद कमरे की ब्रीफिंग में दी गई जानकारी के अनुसार, अब किम जू ऐ उत्तराधिकारी प्रशिक्षण से आगे बढ़कर उत्तराधिकारी के रूप में नामित होने के चरण में पहुंच चुकी हैं।

भाषा में बदलाव, संकेत मजबूत : एनआईएस के मुताबिक, पहले सरकारी हलकों में किम जू ऐ को केवल 'प्रशिक्षण में' बताया जाता था, लेकिन अब आधिकारिक भाषा में बदलाव आया है। यह संकेत देता है कि उत्तराधिकार की योजना अधिक संगठित और ठोस रूप ले चुकी है। सांसद ली सियोंग-क्वेउन ने मीडिया से बातचीत में बताया कि किम जू ऐ पिछले दो वर्षों में कई अहम सैन्य और प्रतीकात्मक कार्यक्रमों में अपने पिता के साथ नजर आई हैं। इनमें कोरियन पीपुल्स आर्मी की वर्षगांठ, कुमसुसान पैलेस ऑफ द सन का दौरा और वायु सेना दिवस समारोह शामिल हैं।

सैन्य कार्यक्रमों में प्रमुख उपस्थिति : सरकारी मीडिया में किम जू ऐ को इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण, सैन्य परेड और रक्षा अधिकारियों की बैठकों में प्रमुख स्थान पर दिखाया गया है। वह अक्सर अपने पिता के ठीक बगल में खड़ी नजर आती हैं, जो सत्ता हस्तांतरण की तैयारी का प्रतीक माना जा रहा है। एनआईएस का आकलन है कि किम जू ऐ अब डी फैक्टो दूसरे सबसे उच्च पद पर हैं और नीतिगत मामलों पर अपनी राय भी दे रही हैं। यह तो स्पष्ट है कि किम जू ऐ उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता और वर्कर्स पार्टी के महासचिव किम जोंग उन और उनकी पत्नी री सोल-जू की बेटी हैं। जू ऐ का जन्म किस तिथि और किस वर्ष में हुआ, इसका रहस्य अब तक बरकरार है। उनकी उम्र बारह या तेरह वर्ष है। चालीस साल से अधिक के हो चुके खुद किम जोंग उन की जन्म की तारीख और सन का अब तक कोई पता नहीं लगा पाया है। यहां तक कि दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी भी कयास ही लगाती रही। अमेरिका के दिग्गज बास्केटबाल खिलाड़ी डेनिस रोडमैन वर्ष 2013 में किम जोंग उन के परिवार से मिले थे। उन्होंने ही पहली बार यह बात सार्वजनिक की थी कि किम जोंग उन का एक बेटा व एक बेटी है।

अप्रैल में चीन पहुंचेंगे राष्ट्रपति ट्रंप, साल के आखिर में जिनपिंग करेंगे अमेरिका का दौरा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल 2026 में चीन यात्रा की पुष्टि की है। ट्रंप ने कहा कि वह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ एक समिट के लिए अप्रैल में चीन जाएंगे। इसके साथ ही प्रेसिडेंट शी के इस साल के आखिर में अमेरिका आने की उम्मीद है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'हां, मैं अप्रैल में राष्ट्रपति शी से मिलने जाऊंगा। मैं इसका इंतजार कर रहा हूं। वह साल के आखिर में यहां आ रहे हैं, और मुझे इसका काफी इंतजार है।' ट्रंप ने बीजिंग के साथ अमेरिका के संबंधों को स्थिर बताया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'नहीं, चीन के साथ हमारे संबंध अभी बहुत अच्छे हैं। राष्ट्रपति शी के साथ मेरे संबंध बहुत अच्छे हैं। '

ट्रंप ने अप्रैल के दौरे की जगह या एजेंडा के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी है। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि शी का अमेरिका दौरा कब होगा, बस इतना कहा कि यह इस साल के आखिर में होगा।

बता दें, हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति और शी जिनपिंग ने फोन पर बातचीत की थी, जिसकी जानकारी अमेरिकी प्रेसिडेंट ने दी। ट्रंप के मुताबिक, यह बातचीत लंबी और गहन रही और इसमें व्यापार, सैन्य सहयोग, चीन की उनकी प्रस्तावित अप्रैल यात्रा, ताइवान, रूस-यूक्रेन युद्ध, ईरान की स्थिति और दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग जैसे विषय शामिल रहे।

इस संबंध में ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'मेरी अभी चीन के राष्ट्रपति शी के साथ टेलीफोन पर काफी अच्छे से बातचीत हुई है। यह एक लंबी और विस्तारपूर्ण बातचीत थी, जिसमें कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। आर्थिक मुद्दों पर विशेष जोर देते हुए ट्रंप ने कहा कि बातचीत में चीन द्वारा अमेरिका से ऊर्जा और कृषि उत्पादों की खरीद पर

चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं ने चीन द्वारा अमेरिका से तेल और गैस की खरीद के साथ-साथ अमेरिकी कृषि उत्पादों की अतिरिक्त खरीद पर भी बात की।

अमेरिकी राष्ट्रपति की तरफ से ये टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका-चीन के संबंध व्यापार, तकनीक और सुरक्षा में कॉम्पिटिशन से निर्धारित हो रहे हैं। एक तरफ दोनों देशों के बीच टैरिफ और सेमीकंडक्टर एक्सपोर्ट कंट्रोल को लेकर टकराव जारी है। दूसरी ओर हिंद-प्रशांत में रणनीतिक दुश्मनी भी गहरी हो गई है। तनाव के बीच दोनों पक्षों ने बातचीत के लिए उच्चस्तरीय राजनयिक माध्यम खुला रखा है। भारत के लिए, अमेरिका और चीन के बीच बातचीत का क्षेत्रीय असर होता है। गलवान में हुए विवाद के बाद से भारत और चीन के बीच काफी तनाव था, जो हाल के कुछ सालों में कम होता नजर आ रहा है। भारत ने न केवल चीन के साथ अपने संबंधों में सुधार किया है, बल्कि अमेरिका के साथ रणनीतिक संबंध भी मजबूत किए हैं। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच विकास पर पूरे एशिया में, खासकर हिंद-प्रशांत में, करीब से नजर रखी जाती है। पिछले दस सालों में, यूएस-चीन के संबंध सहयोग और टकराव के बीच झूलते रहे हैं। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान दोनों देशों के बीच ट्रेड विवाद बढ़े। तब से दोनों देशों के बीच सैन्य और तकनीकी कॉम्पिटिशन बढ़ा है। साथ ही, समिट डिप्लोमेसी रिस्क कम करने और कम्युनिकेशन लाइनें खुली रखने के तरीके के तौर पर जारी रही है। ट्रंप के आलोचकों का कहना है कि जब उनके इंपोर्ट पर टैरिफ लगाने की बात आती है तो राष्ट्रपति चीन के प्रति नरम रहे हैं। चीन के साथ अमेरिका का बहुत बड़ा ट्रेड डेफिसिट है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

भीषण सड़क हादसा : कोबरा बटालियन के 4 जवानों की मौत, एक गंभीर घायल

धमतरी (एजेंसी)। जिले के अर्जुनी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खपरी बायपास के पास हुए भीषण सड़क हादसे में 201 कोबरा बटालियन के चार जवानों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक जवान गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक जगदलपुर से जवानों को लेकर आ रही डिजायर कार खपरी बायपास के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और जवान वाहन के भीतर फंस गए। गैस कटर की मदद से काफी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला गया। घटना में दो जवानों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य गंभीर घायलों ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। घायल जवान का उपचार जारी है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

इंडिगो फ्लाइट में मिली बम की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। कोलकाता से शिलांग जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में बम होने की धमकी मिली है। टॉयलेट में संदिग्ध पर्चा मिलने पर यात्रियों को तुरंत उतारा गया और विमान को आइसोलेशन बे में ले जाकर सुरक्षा जांच शुरू कर दी गई। शनिवार को कोलकाता से शिलांग जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में बम की धमकी मिलने से अफरा-तफरी मच गई। यह फ्लाइट सुबह 9ः15 बजे उड़ान भरने वाली थी। बोर्डिंग के दौरान क्रू मेंबर्स को विमान के टॉयलेट में एक पर्चा मिला, जिसमें विमान में बम होने की बात लिखी थी। इसके बाद तुरंत स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर लागू किया गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित विमान से उतार लिया गया और एयरक्राफ्ट को आइसोलेशन बे में ले जाकर जांच शुरू कर दी गई। नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट के डायरेक्टर के मुताबिक, बम की सूचना पर्चे के जरिए मिली। यात्रियों को तुरंत विमान से उतारा गया। विमान को आइसोलेशन बे में शिफ्ट किया गया। सुरक्षा एजेंसियां पूरी जांच में जुटी हैं।

एयरपोर्ट से 1.64 करोड़ का गांजा बरामद

अमृतसर (एजेंसी)। अमृतसर में नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत कस्टम विभाग को सफलता मिली है। कस्टम अमृतसर की टीम ने स्पॉट प्रोफाइलिंग और बैगेज स्क्रीनिंग के दौरान एक यात्री के सामान से 1 किलो 640 ग्राम गांजा बरामद किया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1.64 करोड़ रुपए बताई जा रही है। यह यात्री बैंकॉक से फ्लाइट नंबर एसएल-214 के माध्यम से श्री गुरु राम दास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अमृतसर पहुंचा था। कस्टम अधिकारियों को उसके व्यवहार पर शक हुआ, जिसके बाद सामान की गहन जांच की गई। जांच में बैग के अंदर छिपाकर रखा गया गांजा बरामद हुआ। कस्टम अधिकारियों ने तुरंत आरोपी यात्री को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया और एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि नशे की तस्करी के खिलाफ लगातार निगरानी रखी जा रही है और किसी भी कीमत पर ऐसे अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा।

कार में मिली लड़के और लड़की की लाश, इलाके में मची अफरा-तफरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के करीब नोएडा के सेक्टर-39 क्षेत्र में शनिवार को उस समय सनसनी फैल गई जब एक खड़ी कार के अंदर युवक और युवती के शव बरामद हुए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। कार के भीतर का दृश्य बेहद विचलित करने वाला था। दोनों के शरीर पर गोली लगने के निशान मिले हैं और वाहन के अंदर खून फैला हुआ था, जिससे प्रथम दृष्टया मामला गोलीबारी का प्रतीत हो रहा है। जांच के दौरान पुलिस को कार से एक पिस्तौल भी बरामद हुई है। हथियार को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि गोली किसने चलाई और कितनी गोलियां दागी गईं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण और समय की पुष्टि हो सकेगी। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए गए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस के अनुसार, मृत युवक और युवती की पहचान दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके के निवासियों के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक ने पहले युवती को गोली मारी और बाद में खुद को गोली मार ली। हालांकि अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह केवल प्रारंभिक अनुमान है और जांच पूरी होने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाएगा। मामले की गंभीरता को देखकर हुए पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। तकनीकी साक्ष्यों, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और पारिवारिक पृष्ठभूमि की भी जांच की जा रही है। इस घटना ने स्थानीय लोगों को स्तब्ध कर दिया है और इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस का कहना है कि सभी तथ्यों की गहन जांच के बाद ही इस रहस्यमयी घटना की सच्चाई सामने आ सकेगी।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने ड्रग तस्कर की 1.5 करोड़ की संपत्ति की कुर्क

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने एक ड्रग तस्कर की संपत्ति कुर्क कर ली है। पुलिस के मुताबिक कुलगाम जिले में अटैच की गई प्रॉपर्टी की कुल कीमत करीब 1.5 करोड़ रुपए है। पुलिस ने बताया कि मणिगाम गांव में छह दुकानें, पांच गोदाम, एक टिन शेड और एक चबूतरा अटैच किया है। यह संपत्ति मोहम्मद अशरफ खांडे की है, जो निपोरा, कुलगाम का रहने वाला है और काजीगुंड में आता है। पुलिस ने बताया कि जांच में पता चला कि यह संपत्ति ड्रग तस्करी से कमाई गई धनराशि से बनाई गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अशरफ खांडे के खिलाफ संबंधित पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस के तहत एफआईआर दर्ज की गई। यह अटैचमेंट कुलगाम पुलिस की ड्रग तस्करों के वित्तीय नेटवर्क को खत्म करने और यह स्पष्ट संदेश देने की लगातार और रणनीतिक कोशिशों का हिस्सा है कि अपराध का अंजाम क्या होता है। एसएसपी कुलगाम ने बताया कि कुलगाम पुलिस ने ड्रग ट्रैफिकिंग और नारकोटिक्स से जुड़ी गतिविधियों के खिलाफ ज़ीरो-टॉलरेंस पॉलिसी अपनाई है। उन्होंने चेतावनी दी कि कोई भी व्यक्ति जो ड्रग पेडलिंग, फाइनेंसिंग, अपराधियों को पनाह देने या नारकोटिक्स ट्रेड के लिए सपोर्ट नेटवर्क बनाने में शामिल पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसमें प्रॉपर्टी अटैच करना, वित्तीय जांच करना और कानून के कड़े नियमों के तहत मुकदमा चलाना भी शामिल है। एसएसपी ने कहा कि ड्रग तस्करों की गैर-कानूनी धनराशि की पहचान की जाएगी, उन्हें जब्त किया जाएगा और खत्म किया जाएगा।

कई राज्यों में चुनाव से पहले आक्रामक दिख रहे राहुल गांधी... संसद से सड़क तक मोदी सरकार को घेरने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र 2026 के पहले चरण में कांग्रेस नेता राहुल गांधी विपक्ष के सबसे बड़े चेहरे के रूप में उभरे। उन्होंने सदन में करीब 50 मिनट तक प्रधानमंत्री मोदी और एनडीए सरकार की नीतियों पर बिना रुके हमला बोला। राहुल की इस नई और आक्रामक शैली ने न केवल कांग्रेस सांसदों में जोश हाई है, बल्कि विपक्षी गुट (इंडिया ब्लॉक) को भी एकजुट करने का काम कर दिया है।

उनके आक्रामक रुख और मोदी सरकार को असहज करने की क्षमता से कांग्रेस सांसद खुश दिख रहे है। वे अपने नेता के पीछे एकजुट दिखे, निलंबन झेला, धरने दिए, नारे लगाए और विपक्षी दलों से तालमेल बढ़ाया, ताकि पार्टी नेतृत्व के लिए 'फोर्स मल्टीप्लायर' की भूमिका निभा सकें।

एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर राहुल गांधी संसद के बाहर भी इसी फॉर्म में रहे, तब कांग्रेस पार्टी की स्थिति बेहतर हो सकती है, लेकिन दुर्भाग्य से अतीत में ऐसा नहीं हुआ।

राहुल गांधी ने संसद में प्रधानमंत्री मोदी पर आरोप लगाया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में आकर इंडो-यूएस समझौते पर घुटने टेक दिए हैं। राहुल गांधी ने विरोध स्वरूप सांसदों को सुझाव दिया कि प्रदर्शन के दौरान गौतम अडानी, ट्रंप और नरेंद्र मोदी की तस्वीरों वाले पोस्टर लगाए जाएं, ताकि यह स्थापित किया जा सके कि केंद्र सरकार की कॉर्पोरेट के साथ सांठगांठ है।

वहीं शुक्रवार को राहुल गांधी ने किसान नेताओं के साथ अहम बैठक की। हालांकि इसमें से कई कांग्रेस के किसान विंग से जुड़े थे, लेकिन इसका संदेश साफ था-राहुल खुद को किसान समर्थक और सरकार को किसान विरोधी के रूप में दिखाना चाहते है। उनका लक्ष्य कृषि संकट को एक बड़े चुनावी मुद्दे में बदलना है। कांग्रेस ने एप्स्टीन फाइल्स विवाद को भी राजनीतिक हथियार बनाने की तैयारी कर ली है।

इसके अलावा, पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे की किताब के संदर्भों को उठाकर राहुल गांधी राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर पीएम की 56 इंच की छाती वाली छवि को चुनौती दे रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राहुल गांधी की असली परीक्षा संसद के भाषणों में नहीं, बल्कि जमीन पर है। कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी बाधा उनके संगठनात्मक ढांचे की कमजोरी है। वोटर अधिकार यात्रा और मनरेगा के विरोध में किए गए प्रदर्शन अब तक व्यापक जन-आंदोलन का रूप नहीं ले पाए हैं।

पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और केरल में होने वाले चुनावों को देखकर राहुल गांधी अपने तीखे तेवर ढीले करने के मूड में नहीं हैं। उनका स्लोगन जो उचित समझो वही करो सीधे तौर पर सरकार की निर्णय लेने की क्षमता पर कटाक्ष है, जिसे वे चुनावी रैलियों में प्रमुखता से इस्तेमाल कर सकते है। बजट सत्र के पहले चरण में राहुल गांधी की बॉडी लैंग्वेज और आक्रामक शैली से संकेत मिलता है कि वे राजनीतिक रूप से उत्साहित हैं और मोदी सरकार पर दबाव बनाए रखने के इरादे में हैं।

पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज की जयंती पर देश के दिग्गजों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व विदेश मंत्री और पद्म विभूषण से सम्मानित सुषमा स्वराज की जयंती के अवसर पर देश के शीर्ष नेताओं ने उन्हें याद करते हुए अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनके व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को नमन किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सुषमा स्वराज को याद करते हुए कहा कि संगठन से लेकर सरकार तक, जनकल्याण को अपने जीवन का मुख्य ध्येय बनाने वाली सुषमा जी राष्ट्रहित के विषयों पर अपनी निर्भीकता के लिए जानी जाती थीं। उन्होंने कहा कि देश, संस्कृति, भाषा, विदेश नीति और विशेष रूप से नारी सशक्तीकरण के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्य आने वाले कई दशकों तक देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी उन्हें विनम्र अभिवादन करते हुए एक कुशल प्रशासक के रूप में याद किया। वहीं, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने उन्हें ओजस्वी वाणी की धनी और संवेदनशीलता व सेवा की सजीव प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि उनके आदर्श सदैव जनसेवकों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी सुषमा स्वराज को एक अद्भुत वक्ता और कुशल राजनीतिज्ञ के रूप में परिभाषित किया। उन्होंने उल्लेख किया कि विदेश मंत्री के रूप में उन्होंने वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया और संकट में फंसे भारतीयों के प्रति हमेशा आत्मीयता और तत्परता का परिचय दिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि सुषमा स्वराज का जीवन भारतीय राजनीति में शुचिता, सामर्थ्य और संवेदना की एक ऐसी त्रिवेणी थी, जिसने सत्ता को सेवा के उच्चतम प्रतिमानों पर स्थापित किया। उनकी विद्वत्ता और शालीनता की अमिट छाप भारतीय राजनीति के क्षितिज पर हमेशा बनी रहेगी। सुषमा स्वराज न केवल एक ओजस्वी वक्ता थीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं से भरी एक ऐसी नेत्री थीं, जिन्होंने कूटनीति को आम जनमानस की मदद का जरिया बनाया।

प्रधानमंत्री मोदी की असम यात्राः सीएम सरमा बोले- विकास और कनेक्टिविटी की नई शुरुआत

गुवाहाटी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को अपनी असम यात्रा के दौरान राज्य को विकास की कई बड़ी सौगातें देंगे। प्रधानमंत्री के आगमन पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने उनका भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से खुशी जाहिर करते हुए कहा कि असम उन ऐतिहासिक प्रोजेक्ट्स के उद्घाटन का बेसब्री से इंतजार कर रहा है, जो कनेक्टिविटी, टेक्नोलॉजी और विकास की गति को और तेज करेंगे।

प्रधानमंत्री के व्यस्त कार्यक्रम की शुरुआत डिब्रूगढ़ के मोरान बाईपास से होगी, जहां वे नवनिर्मित आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (ईएलएफ) का जायजा लेंगे। पूर्वोत्तर भारत में अपनी तरह की यह पहली सुविधा भारतीय वायुसेना के समन्वय से तैयार की गई है। इस रनवे को विशेष रूप से आपातकालीन स्थिति में सैन्य और नागरिक विमानों के संचालन के लिए डिजाइन किया गया है। यह न केवल रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान त्वरित बचाव और राहत कार्यों में भी मील का पत्थर साबित होगी। यह रनवे 40 टन तक के लड़ाकू विमानों और भारी परिवहन विमानों का भार सहने में सक्षम है। यात्रा के अगले चरण में प्रधानमंत्री गुवाहाटी पहुंचेंगे, जहां वे ब्रह्मपुत्र नदी पर निर्मित कुमार भास्कर वर्मा सेतु का उद्घाटन करेंगे। लगभग 3,030 करोड़ रुपये की लागत से बना यह पुल क्षेत्र में यातायात और व्यापार को सुगम बनाने में बड़ी भूमिका निभाएगा। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री गुवाहाटी के लचित घाट पर आयोजित एक भव्य समारोह में 5,450 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे।

इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य असम में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री की इस यात्रा को असम और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए एक नई औद्योगिक और तकनीकी क्रांति की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। सरकार के इन कदमों से न केवल पर्यटन को लाभ मिलेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

अखिलेश का योगी पर हमला, शंकराचार्य के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल शाब्दिक हिंसा और पाप

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल शाब्दिक हिंसा और पाप है। अखिलेश यादव ने पोस्ट में लिखा कि किसी भी व्यक्ति की वाणी की गरिमा बनाए रखना चाहिए, और शंकराचार्य पर अभद्र टिप्पणी करना गंभीर अपराध है। उन्होंने कहा कि चापलूसी करने वालों को भी पाप लगेगा।

अखिलेश ने मुख्यमंत्री योगी के बयान का आलोचनात्मक विश्लेषण करते हुए कहा कि जो लोग महाकुंभ में हुई मौतों के वास्तविक आंकड़े नहीं बताते, मुआवजा में भ्रष्टाचार करते हैं और मुकदमे हटा लेते हैं, उनके पास किसी अन्य के धर्म या पद पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, जब इंसान नहीं, अहंकार बोलता है तो यही होता है, और यह अहंकार समाज में मान-सम्मान खोने का कारण बनता है। सपा नेता ने कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा नफरत की राजनीति की है और धर्म के मामलों में भी लोगों का अपमान किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि विवादित फिल्म को बिना नाम बदले ही कर मुक्त किया जा सकता है। अखिलेश यादव ने चेतावनी दी कि अगले चुनाव में जनता अपने अपमान का जवाब वोट के जरिए देगी।

दरअसल मुख्यमंत्री योगी ने विधानसभा में कहा था कि हर कोई शंकराचार्य की उपाधि का उपयोग नहीं कर सकता और सभी कार्यक्रमों में धार्मिक मर्यादा और कानून का पालन अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी को अपने नाम के आगे शंकराचार्य नहीं लिखने का अधिकार है और माहौल खराब नहीं किया जा सकता। इस विवाद ने उत्तर प्रदेश में धार्मिक और राजनीतिक संवेदनाओं को छू लिया है। अखिलेश यादव के अनुसार, शंकराचार्य पर दिया गया अभद्र बयान सदन में हमेशा के लिए दर्ज हो गया है और इस निंदनीय माना जाना चाहिए।

प्रयागराज में माघ मेले के दौरान जिला प्रशासन और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के बीच हुए विवाद के लगभग एक महीने बाद, मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हर कोई शंकराचार्य उपाधि का इस्तेमाल नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि सभी आयोजनों में धार्मिक मर्यादा और कानून का पालन होना चाहिए। योगी ने कहा, हर कोई अपने नाम के आगे शंकराचार्य नहीं लिख सकता। हर कोई किसी पीठ का आचार्य होने का दावा नहीं कर सकता और माहौल खराब नहीं कर सकता। सभी को कुछ हद में रहना पड़ता है।

16 फरवरी तक दो विस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय... कहीं तेज गर्मी, कही बर्फबारी के आसार

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 16 फरवरी तक दो विस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय हैं। इससे अगले दो दिन में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पहाड़ों पर बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। वहीं मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ में दिन का तापमान 30 डिग्री के पार हो चुका है। मध्य प्रदेश में शुक्रवार को 15 से ज्यादा शहरों में दिन का टेम्परेचर 30 डिग्री पार पहुंच चुका है। रात में भी पारा 10 डिग्री से ज्यादा है। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में पारा 30 डिग्री के पार हो चुका है। बांदा में अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री और प्रयागराज में 30.4 डिग्री दर्ज हुआ। वहीं छत्तीसगढ़ में औसतन तापमान में 1 से 2 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश का सबसे अधिकतम तापमान 32.7 डिग्री सेल्सियस जगदलपुर में दर्ज किया गया। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में कड़ाके की ठंड का असर साफ दिख रहा है। प्रदेश के सात शहरों का न्यूनतम तापमान -10 डिग्री से नीचे है। मुनस्यारी में सबसे कम पारा -26 डिग्री, गंगोत्री में -21 डिग्री और बद्रीनाथ में -19 डिग्री दर्ज किया गया। झारखंड में पिछले 24 घंटों में चार जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम रिकॉर्ड किया गया। इसमें डाल्टेनगंज, खूंटी, लोहरदगा और गुमला शामिल है। जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में अभी हल्की बर्फबारी का दौर चल रहा है। कश्मीर को जम्मू से जोड़ने वाली मुगल रोड पर कई फीट बर्फ जमी है, इसके कारण यह अभी भी बंद है। 15 फरवरी को हिमाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर घना कोहरा। अरुणाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर आंधी-तूफान के साथ बारिश की आशंका। 16 फरवरी को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बारिश-बर्फबारी की संभावना जाहिर की गई।

एआई के वैश्विक परिदृष्य में भारत एक अहम भूमिका निभाने को तैयार

-इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 दिल्ली में

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के वैश्विक परिदृश्य में भारत एक अहम भूमिका निभाने की तैयारी में है। नई दिल्ली में 19 और 20 फरवरी को आयोजित होने जा रहा इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 एक ऐसा अंतरराष्ट्रीय मंच होगा, जहां सरकारों, बड़ी टेक कंपनियों, स्टार्टअप, शोधकर्ताओं और निवेशकों की भागीदारी रहेगी। सम्मेलन का उद्देश्य एआई के सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभावों पर ठोस और व्यावहारिक चर्चा करना है।

यह समिट 'पीपल, प्लैनेट और प्रोग्रेस' के सिद्धांत पर आधारित है। इसके तहत एआई के विकास को मानव गरिमा और समावेशन से जोड़ते हुए पर्यावरणीय संतुलन तथा साझा वैश्विक प्रगति सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाएगा। सम्मेलन में एथिकल एआई, नीतिगत ढांचा, निवेश के अवसर, डिजिटल अर्थव्यवस्था और वैश्विक सहयोग जैसे विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस एआई एक्शन सम्मिट के दौरान भारत में इस समिट के आयोजन की घोषणा की थी। माना जा रहा है कि यह ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला पहला बड़ा एआई शिखर सम्मेलन होगा, जो विकासशील देशों की आवाज को वैश्विक मंच पर मजबूती देगा।

भारत में इसके आयोजन के पीछे देश की तेजी से बढ़ती डिजिटल क्षमता और एआई क्षेत्र में उभरती ताकत प्रमुख कारण हैं। डिजिटल इंडिया और इंडिया एआई मिशन जैसी पहलों ने एआई अनुसंधान, स्टार्टअप इकोसिस्टम और डिजिटल अवसंरचना को मजबूत किया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि एआई शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और शासन जैसे क्षेत्रों में व्यापक बदलाव ला सकता है। हालांकि, रोजगार में बदलाव, एल्गोरिदमिक पूर्वाग्रह और ऊर्जा खपत जैसी चुनौतियां भी सामने हैं। ऐसे में यह समिट अवसरों और जोखिमों के बीच संतुलन बनाते हुए मापनीय और ठोस परिणामों पर केंद्रित रहेगा। भारत इस आयोजन के माध्यम से स्वयं को एक जिम्मेदार, समावेशी और वैश्विक एआई हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में

शिवराज का राहुल गांधी पर आरोप, कब तक किसानों को गुमराह करने का काम करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बार-बार झूठ बोलकर किसानों को गुमराह करने में जुटे हैं और भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर जनता में भ्रम पैदा कर रहे हैं। कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता किसानों, मछुआरों, कारीगरों, स्टार्टअप्स और लघु एवं मध्यम उद्यमों के अधिकारों की रक्षा करता है।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भारत और अमेरिका के बीच हुए समझौते में देश के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। हमारे लघु एवं मध्यम उद्यमों, स्टार्टअप्स, किसानों, कारीगरों और मछुआरों के अधिकारों की रक्षा की गई है।

कृषि मंत्री ने दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते का बचाव कर कहा कि विनियमित लागत और सीमित मात्रा के कारण आयात प्रक्रियाएं किसानों के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सेब की बात कर रहे हैं। हम 55 लाख मीट्रिक टन सेब आयात करते हैं, और किस आधार पर? न्यूनतम आयात मूल्य 80 रुपये प्रति किलो है, और 25 रुपये प्रति किलो अतिरिक्त शुल्क लगता है, यानी लैंडिंग लागत 105 रुपये है। तब इससे किसानों को कैसे नुकसान हो रहा है?

वहीं कृषि मंत्री शिवराज ने कहा कि अखरोट के मामले में भी लगातार गुमराह करने के प्रयास हो रहे हैं। भारत पहले से ही 60,000 मीट्रिक टन अखरोट आयात करता है। केवल 13,000 मीट्रिक टन का सीमित कोटा ही आवंटित किया है।

उन्होंने राहुल गांधी पर तीखा प्रहार कर यह दावा कि कांग्रेस सरकार के दौरान आयात के दरवाजे पूरी तरह बंद कर दिए गए थे, गलत है। कांग्रेस शासनकाल में भी 20 अरब डॉलर मूल्य की कृषि उपज आयात की जाती थी। डेयरी उत्पाद भी आयात किए जाते थे। देश को जिस चीज की जरूरत होती है, वह आयात की जाती है।

देश में गड्ढों में गिरकर 5 साल में हुई 9 हजार 438 लोगों की मौत... इस मामले यूपी टॉप पर

-मध्यप्रदेश का दूसरा नंबर

नई दिल्ली (एजेंसी)। गड्ढों में गिरकर लोग दम तोड़ते रहे और देश भर में सरकारें तमाशबीन बनकर सब देखती रहीं। बीते 5 साल के आंकड़े देखकर कुछ ऐसा लगता है। पांच सालों में देश के 9 हजार 438 लोगों की जान गडढ़ों में गिरने से चली गई।

इन 5 सालों में लापरवाही के मामले उत्तर प्रदेश (यूपी) टॉप पर है। आप ये जानकर हैरान रह जाएंगे कि उत्तर प्रदेश में गड्ढों के कारण मरने वालों की संख्या पूरे देश के कुल आंकड़े में आधे से अधिक है। यूपी में इन 5 सालों के अंदर 5 हजार 127 लोगों की मौत हुई है। सरकारी आंकड़े में हैरान करने वाला फैक्ट भी सामने आया है, जिसके मुताबिक बिहार, गोवा, चंडीगढ़ और आंध्र प्रदेश में इन 5 सालों में गड्ढे से गिरने के कारण एक भी शख्स की जान नहीं गई है।

मृतकों की संख्या में 53 फीसदी उछाल

सड़क परिवहन और राजमार्ग मन्त्रालय की ओर से लोकसभा में बताया गया है कि 2020 की तुलना में साल 2024 में गड्ढों में गिरकर मरने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। साल 2020 में जहां 1,555 लोगों की मौत गड्ढों में गिरकर हुई थी। वहीं साल 2024 में यह संख्या बढ़कर 2,385 हो गई। आंकड़ों के हिसाब से इस तरह के मामलों में 53 फीसदी का उछाल रिकॉर्ड किया गया। इस सूची में यूपी शीर्ष पर है और दूसरे नंबर पर मध्य प्रदेश का नाम है। मध्यप्रदेश के अंदर इन 5 सालों में 969 लोगों की मौत हुई। इसके बाद 612 नंबरों के साथ तमिलनाडु तीसरे नंबर। वहीं 425 के साथ ओडिशा चौथे नंबर पर रहा। पंजाब में गड्ढों में गिरकर 414 तो असम में 395 लोगों की मौत हुई।

देश की राजधानी दिल्ली में गड्ढे में गिरकर युवक की मौत के कारण पूरे देश में चर्चा का विषय बनी। लेकिन आपको जानकार हैरानी होगी कि पिछले 5 सालों में दिल्ली के अंदर इस तरह से मौत के 50 मामले ही दर्ज हुए हैं। आंकड़ों के हिसाब से उत्तर पूर्वी राज्यों ने सूची में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। मणिपुर, नगालैंड और त्रिपुरा में गड्ढों में गिरकर हुई मौत का एक भी केस दर्ज नहीं किया गया है। आंध्र प्रदेश जैसे बड़े राज्य में भी गड्ढों में गिरकर एक भी मौत का केस नहीं आया है। हालांकि, एक भी मौत न होने के मामले में बिहार का नाम चौंकाने वाला है, जहां बेहद लंबा रोड नेटवर्क है। सड़क एवं परिवहन मंत्रालय ने जो आंकड़े पेश किए हैं, उसके मुताबिक साल 2027 की तुलना में गड्ढों में गिरकर हुई मौतों के मामले में कमी आई है। तब एक साल के अंदर 3,597 लोगों की मौत हुई थी।